website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 352 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 28 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी 29-30 नवंबर को छत्तीसगढ़ में 60वें अखिल भारतीय डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29-30 नवंबर, 2025 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ में महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लेंगे। 'विकसित भारत: सुरक्षा आयाम' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में वामपंथी उग्रवाद, आतंकवाद निरोध, आपदा प्रबंधन, महिला सुरक्षा और पुलिसिंग में फोरेंसिक विज्ञान एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग जैसे प्रमुख सुरक्षा मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। प्रधानमंत्री मोदी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक भी प्रदान करेंगे। यह सम्मेलन 28 से 30 नवंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य अब तक प्रमुख पुलिस चुनौतियों से निपटने में हुई प्रगति की समीक्षा करना और 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप 'सुरक्षित भारत' के निर्माण के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप की रूपरेखा तैयार करना है। यह सम्मेलन देश भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा प्रशासकों को राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर खुले और सार्थक विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण संवादात्मक मंच प्रदान करता है। यह पुलिस बलों के सामने आने वाली परिचालन, अवसंरचनात्मक और कल्याण संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की सुविधा प्रदान करता है, साथ ही अपराध से निपटने, कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा आंतरिक सुरक्षा खतरों का जवाब देने में पेशेवर प्रथाओं के निर्माण और साझाकरण की सुविधा भी प्रदान करता है। गौरतलब हो, पीएम मोदी ने इस वार्षिक सम्मेलन में निरंतर गहरी रुचि दिखाई है और स्पष्ट चर्चाओं को प्रोत्साहित किया है तथा एक ऐसा माहौल तैयार किया है जहां पुलिस व्यवस्था पर नए विचार उभर सकें। व्यावसायिक सत्र, विस्तृत बातचीत और विषयगत चर्चाएं प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण आंतरिक सुरक्षा और नीतिगत मामलों पर सीधे प्रधानमंत्री के साथ अपने विचार साझा करने का अवसर प्रदान करती हैं। वर्ष 2014 से पीएम मोदी के मार्गदर्शन में इस सम्मेलन के स्वरूप में निरंतर सुधार हुआ है, जिसमें देश भर के विभिन्न स्थानों पर इसका आयोजन भी शामिल है। यह सम्मेलन गुवाहाटी (असम), कच्छ के रण (गुजरात), हैदराबाद (तेलंगाना), टेकनपुर (ग्वालियर, मध्य प्रदेश), स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (केवड़िया, गुजरात), पुणे (महाराष्ट्र), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), नई दिल्ली, जयपुर (राजस्थान) और भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित किया जा चुका है। इसी परंपरा को जारी रखते हुए, इस वर्ष 60वां पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक सम्मेलन रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जा रहा है।

हांगकांग में भयानक हादसा 8 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 44 की मौत और 45 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हांगकांग की एक 8 मंजिला इमारत में आग लगने के बाद भारी तबाही मची है। हांगकांग पुलिस फोर्स ने गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि हांगकांग के ताइपो स्थित एक रिहायशी इलाके वांग फक कोर्ट में आग लगने से 44 लोगों की मौत हो गई और 45 अन्य झुलस गए। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने हांगकांग पुलिस फोर्स के हवाले से बताया कि तीन लोगों को शक के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। हांगकांग के चीफ एग्जीक्यूटिव जॉन ली ने कहा कि फायरफाइटर्स की लगातार कोशिशों के बाद वांग फुक कोर्ट में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। एग्जीक्यूटिव ली ने बताया कि करीब 279 लोग अभी भी लापता हैं। 29 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से सात की हालत गंभीर है। ली ने जोर देकर कहा कि सरकार की ओर से रेस्क्यू ऑपरेशन में पूरी मदद मिल रही है। उन्होंने डिपार्टमेंट्स और यूनिट्स को आग बुझाने, फंसे हुए लोगों को बचाने, घायलों का इलाज करने, परिवारों को मदद और इमोशनल सपोर्ट देने, और हादसे की पूरी जांच करने सहित बड़े पैमाने पर काम करने का निर्देश दिया है। वांग फुक कोर्ट में आठ रेजिडेंशियल बिल्डिंग हैं, और आग ने सात बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया है। हांगकांग हॉस्पिटल अथॉरिटी ने अपने मेजर इंसिडेंट कंट्रोल सेंटर को सक्रिय कर दिया है। एजुकेशन ब्यूरो ने प्रभावित छात्रों को सही मदद देने के लिए एजुकेशनल साइकोलॉजिस्ट और संबंधित स्टाफ को अस्थायी आश्रय घरों में भेजा है। इसके अलावा, वहां के कई स्कूल गुरुवार को बंद रहेंगे। ताई पो केयर टीम के सदस्य और जिला काउंसलर लैम यिक कुएन ने कहा कि कई संगठनों और लोगों ने अपनी मर्जी से मानवीय मदद की है। इससे मुश्किल समय में एकजुटता और आपसी देखभाल दिखाई देती है।

नेशनल गार्ड्स पर हमला 'आतंकी कृत्य':

ट्रंप, वाशिंगटन में 500 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती का आदेश

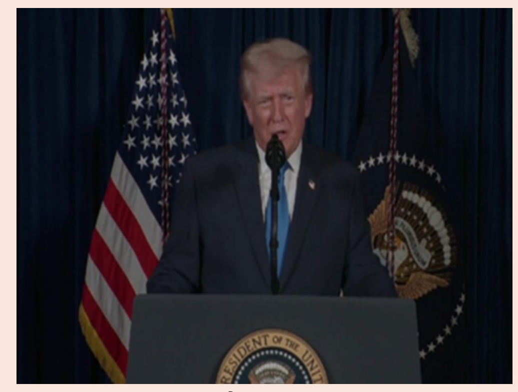

नई दिल्ली (एजेंसी) ।अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के पास हुई गोलीबारी की घटना से हड़कंप मच गया। इस हमले में दो नेशनल गार्ड्समैन गंभीर रूप से घायल हो गए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वारदात को खुला आतंकी कृत्य करार देते हुए वाशिंगटन की सुरक्षा के लिए 500 अतिरिक्त सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार शाम (स्थानीय समय) देश को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमला बुराई, नफरत और आतंक से प्रेरित एक बेहद घिनौना कृत्य है। उन्होंने कहा, "यह हमला न केवल हमारे देश के खिलाफ है, बल्कि पूरी इंसानियत पर हमला है।" ट्रंप ने बताया कि हिरासत में लिया गया संदिग्ध व्यक्ति अफगानिस्तान से अमेरिका आया था और इसके लिए उन्होंने पिछली बाइडेन सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कथित शूटर की पहचान रहमानुल्लाह लकनवाल के रूप में हुई है। वह अफगानिस्तान का नागरिक है, जो वर्ष 2021 में अमेरिका पहुंचा था। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि बाइडेन प्रशासन के दौरान अफगानिस्तान से आए सभी नागरिकों की दोबारा व्यापक जांच कराई जाएगी। ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अफगानिस्तान से आए हर व्यक्ति की फिर से जांच होनी चाहिए और जो लोग अमेरिका के हित में नहीं हैं या देश के प्रति वफादार नहीं हैं, उन्हें हटाने के लिए हर जरूरी कदम उठाया जाएगा। उन्होंने कहा, "अगर वे हमारे देश से प्यार नहीं कर सकते, तो हम उन्हें यहां नहीं चाहते।" घटना व्हाइट हाउस से लगभग 500 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। इसके बाद ट्रंप ने वाशिंगटन की सुरक्षा मजबूत करने के लिए 500 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की घोषणा की। फिलहाल वाशिंगटन में करीब 2,400 नेशनल गार्ड तैनात हैं, जिनमें डीसी नेशनल गार्ड के लगभग 958 और आठ अन्य राज्यों से आए करीब 1,300 जवान शामिल हैं। पश्चिमी वर्जीनिया से वाशिंगटन में तैनात दोनों घायल नेशनल गार्ड्समैन की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। घटना से कुछ समय पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर कहा था कि वह रात 9:15 बजे इस भयानक हमले पर देश को संबोधित करेंगे। उन्होंने अपने संदेश में लिखा, "हमारे महान नेशनल गार्ड योद्धाओं पर हुए इस हमले पर मैं बात करूंगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। भगवान अमेरिका को आशीर्वाद दें।"

इंडोनेशिया में 6.4 तीव्रता का भूकंप, सुमात्रा में बाढ़ और भूस्खलन से 23 की मौत

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर 6.4 रिक्टर स्केल की तीव्रता का जोरदार भूकंप आया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप आचेह प्रांत के पास आया, जिसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था। तेज झटकों के कारण लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि भूकंप से किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है और हालात नियंत्रण में हैं।

प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील इंडोनेशिया

प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में स्थित होने के कारण इंडोनेशिया में अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधियां देखने को मिलती हैं। यह क्षेत्र दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट वाले इलाकों में गिना जाता है। यही वजह है कि देश में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। इस बार आए भूकंप से फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है।

तूफान और बाढ़ से हालात बिगड़े

भूकंप से पहले और बाद में इंडोनेशिया चक्रवाती तूफान 'सेन्यार' के प्रभाव से भी जूझ रहा है। यह तूफान बुधवार को इंडोनेशिया के तट से टकराया, जिसके बाद उत्तरी सुमात्रा प्रांत में अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 23 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। भारी बारिश के चलते कई इलाकों में सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं और राहत व बचाव कार्य में भी दिक्कतें आ रही हैं। हालात को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में कई स्कूल और कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। प्रशासन राहत कार्यों में जुटा हुआ है, लेकिन लगातार बारिश के कारण स्थिति अब भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

शेख हसीना की बढ़ीं मुश्किलें:

भ्रष्टाचार मामलों में 21 साल की जेल, बेटे-बेटी को भी सजा

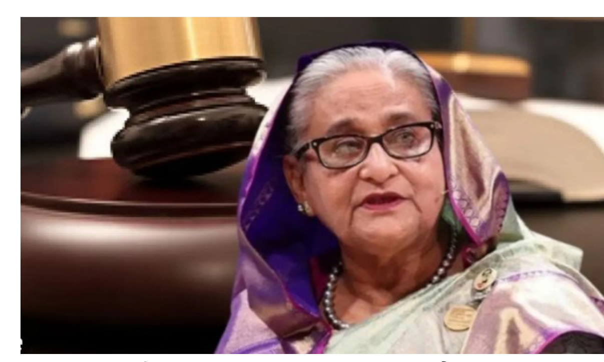

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। राजधानी ढाका की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के तीन अलग-अलग मामलों में उन्हें कुल 21 साल की जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने तीनों मामलों में सात-सात साल का कारावास दिया है, जो मिलाकर 21 वर्ष होता है। इनमें से एक मामले में शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद और बेटी साइमा वाजेद को भी दोषी ठहराया गया है। दोनों को जुर्माने के साथ पांच-पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई है। गुरुवार को विशेष जज मोहम्मद अब्दुल्लाह अल मामून ने जमीन धोखाधड़ी से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया।

किस मामले में शेख हसीना को लगा झटका

जानकारी के अनुसार, बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने जनवरी 2025 में शेख हसीना और उनके परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के कुल छह मामले दर्ज किए थे। आरोप है कि ढाका के पुर्बाचल इलाके में 30 कट्ठा सरकारी जमीन का आवंटन बिना किसी आवेदन और तय प्रक्रिया के कर दिया गया। अदालत ने इस आवंटन को गैरकानूनी करार दिया। बता दें कि कुल छह मामलों में से अब तक तीन पर फैसला सुनाया जा चुका है, जबकि शेष तीन मामलों पर अदालत एक दिसंबर को निर्णय सुनाएगी।

शेख हसीना के बैंक लॉकर से मिले चौंकाने वाले सबूत

हाल ही में बांग्लादेश की सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल और नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बैंक लॉकरों की जांच की थी। जांच एजेंसियों का दावा है कि उनके लॉकर से नौ किलोग्राम से अधिक सोना, महंगे उपहार और कीमती गहने बरामद हुए हैं। इसके अलावा यह भी आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए शेख हसीना ने कई ऐसे उपहार स्वीकार किए, जिनका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। इन खुलासों के बाद भ्रष्टाचार मामलों में उनकी कानूनी परेशानियां और बढ़ती नजर आ रही हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के रणसिंह कलां गांव में पराली प्रबंधन की बारीकियों को समझा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के मोगा जिले के अंतर्गत आने वाला रणसिंह कलां गांव पराली प्रबंधन में एक आदर्श मॉडल बना है। गांव के किसानों ने पिछले 6 साल से पराली नहीं जलाई है। आज गुरुवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद गांव में जाकर जायजा लिया। उन्होंने किसानों से बातचीत की, ताकि वे सीधी बुवाई, कम खाद का इस्तेमाल और पराली मैनेजमेंट के उनके तरीकों को समझ सकें।

किसानों से मुलाकात की-

शिवराज सिंह चौहान ने रणसिंह कलां गांव पहुंचने पर किसानों से मुलाकात की। उन्होंने गांव के गुरुद्वारे में जाकर मत्था टेका और बाद में पंचायत सदस्यों और निवासियों के साथ बैठकर पारंपरिक पंजाबी खाना खाया।

शिवराज सिंह चौहान ने रणसिंह कलां गांव में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर उनके साथ पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ भी मौजूद थे। गांवों के किसानों की तारीफ करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा, "यहां के लोगों का प्यार और स्नेह सच में कमाल का है। मक्के की रोटी और सरसों का साग खाकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं लोगों का सेवक हूं और मैं उन्हें आदर के साथ नमन करता हूं।"

केंद्रीय मंत्री ने फसल के साथ-साथ पराली प्रबंधन की बारीकियों को समझा-

इसके बाद कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ शिवराज सिंह चौहान खेतों में पहुंचे और फसल के साथ-साथ पराली प्रबंधन की बारीकियों को समझा। इस दौरान, एक किसान गोपाल ने कृषि मंत्री को बताया कि जहां वे डीएपी पहले डेढ़ बोरी डालते थे, अब एक बोरी डाला जाता है और यूरिया भी पहले 3 बोरी डलता था, वो घटकर 2 बोरी हो गया।

शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से संवाद करते हुए घोषणा की कि रणसिंह कलां गांव को मशीनीकरण का केंद्र बनाने की भी जरूरत है, इसके लिए हम पूरी योजना बनाएंगे। उन्होंने कहा, "मैं सेवक के नाते पंजाब आया हूं। यह ऐसी पवित्र धरती है, जहां गुरुओं का आशीर्वाद बरसता है। यहां बार-बार आने का मन करता है।"

कृषि क्षेत्र के लिए बन रही योजनाएं-

उन्होंने जानकारी दी कि कृषि क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है, इसके लिए योजनाएं बन रही हैं। लगातार चिंतन-बैठकें हो रही हैं और उसके बाद सभी चीजों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने रखा जाएगा।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग:

दो नेशनल गार्ड्समैन गंभीर घायल, अफगान नागरिक आरोपी गिरफ्तार

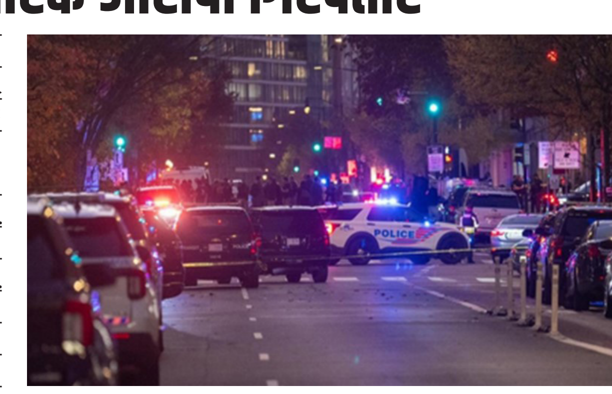

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के पास बुधवार को हुई गोलीबारी की घटना से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डाउनटाउन इलाके में हुई इस फायरिंग में दो नेशनल गार्ड्समैन को गोली लगी है। दोनों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने कार्रवाई करते हुए शूटर को गिरफ्तार कर लिया। सीबीएस न्यूज के मुताबिक, गिरफ्तार शूटर की पहचान रहमानुल्लाह लकनवाल के रूप में हुई है। वह अफगानिस्तान का नागरिक है और साल 2021 में अमेरिका आया था। गोलीबारी की यह घटना व्हाइट हाउस से दो किलोमीटर से भी कम दूरी पर हुई, जिससे राजधानी में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि, इस घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वाशिंगटन में मौजूद नहीं थे। वह पहले से तय थैंक्सगिविंग कार्यक्रम के लिए फ्लोरिडा गए हुए थे। घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दो नेशनल गार्ड्समैन को गोली मारने वाले शूटर खुद भी गंभीर रूप से घायल है और उसे अपने कृत्य की भारी कीमत चुकानी होगी। ट्रंप ने अपने संदेश में कहा, "हमारे महान नेशनल गार्ड और सेना तथा लॉ एनफोर्समेंट के जवानों को भगवान आशीर्वाद दें। ये सच में महान लोग हैं और अमेरिका का राष्ट्रपति तथा पूरा प्रशासन उनके साथ खड़ा है।" वाशिंगटन की मेयर म्यूरियल बोसर ने इस घटना को 'टारगेटेड शूटिंग' बताते हुए कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है। वहीं, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने राजधानी की सुरक्षा को देखते हुए वाशिंगटन में 500 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती के आदेश दिए हैं। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह मामला फेडरल लॉ एनफोर्समेंट अधिकारियों पर हमले से जुड़ा है, इसलिए इस पर फेडरल स्तर पर मुकदमा चलाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप की सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बीते कुछ महीनों में कई राज्यों से नेशनल गार्ड्स को वाशिंगटन भेजा गया है। यही मिशन अब कई अन्य बड़े अमेरिकी शहरों तक भी बढ़ाया गया है।

सीएम नीतीश ने निगरानी विभाग के कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए कई निर्देश

नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत मिलने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार ने कार्यभार संभाल लिया है। सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे जहां विभिन्न विकास योजनाओं का स्वयं निरीक्षण कर रहे हैं, वहीं लगातार अधिकारियों के साथ बैठकें भी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग और निगरानी विभाग के कार्यों की समीक्षा की

इसी क्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग और निगरानी विभाग के कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप सभी कार्यों को तेज गति से पूरा किया जाए।

राज्य में भ्रष्टाचार समाप्त करने में निगरानी विभाग प्रभावी, संवेदनशील और अपनी गतिशील भूमिका निभा रहा है

मुख्यमंत्री ने कहा, "राज्य में भ्रष्टाचार समाप्त करने में निगरानी विभाग प्रभावी, संवेदनशील और अपनी गतिशील भूमिका निभा रहा है। हमारा उद्देश्य न्याय के साथ विकास करना और जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए राज्य को भ्रष्टाचारमुक्त बनाना है।"

उन्होंने सुशासन और पारदर्शिता के साथ सभी योजनाओं को लागू करने पर जोर दिया

उन्होंने सुशासन और पारदर्शिता के साथ सभी योजनाओं को लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे आम जन को सीधा और त्वरित लाभ मिल सकेगा। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग एवं निगरानी विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में बंद पड़ी चीनी मिलों के पुनरुद्धार सहित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी थी

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में बंद पड़ी चीनी मिलों के पुनरुद्धार सहित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। इसके अलावा वे हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया भी पहुंचे और वहां विभिन्न कारखानों व परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार की प्राथमिकता रोजगार और नौकरी सृजन है। चुनाव के दौरान एनडीए ने अगले पांच साल में एक करोड़ रोजगार उपलब्ध कराने का वादा किया था।

पीएम मोदी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारत की महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम ने नेपाल को 7 विकेट से हराकर पहला ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को टीम से मुलाकात कर खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों से बातचीत कर उनके अनुभव सुने और उन्हें मिठाई खिलाकर प्रोत्साहित किया। टीम ने पीएम मोदी को हस्ताक्षरित बल्ला भेंट किया, जबकि प्रधानमंत्री ने गेंद पर अपना हस्ताक्षर किया। कोलंबो में खेले गए फाइनल में भारत ने 12.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया और पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सिर्फ ट्रॉफी पर नहीं, संघर्ष के हर कदम पर तालियों की ज़रूरत

महिला क्रिकेट विश्वकप जीतते ही देश भर में तालियों की गूंज तेज हो गई। हर ओर 'नारी शक्ति' के जयघोष सुनाई देने लगे। टीवी स्टूडियो से लेकर सोशल मीडिया तक महिला खिलाड़ियों की तारीफों के पुल बांधे गए। कुछ ही समय बाद यही दृश्य फिर देखने को मिला, जब भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने विश्वकप जीतकर इतिहास रच दिया। एक बार फिर गर्व, सम्मान और उपलब्धियों की बातें होने लगीं। लेकिन यह सवाल भी उतना ही जरूरी है कि क्या हमारी तालियां सिर्फ ट्रॉफी जीतने के बाद ही बजती हैं? क्या जीत से पहले के संघर्ष, त्याग और कठिन रास्तों को हम कभी उतनी गंभीरता से देखते हैं? सच यह है कि ट्रॉफियों के साथ बजने वाली इन तालियों के बीच एक लंबी खामोशी छिपी होती है। उस खामोशी में अनगिनत लड़कियों का संघर्ष दबा रहता है। वे लड़कियां जो रोज अभ्यास करती हैं, सपने देखती हैं, गिरती हैं, संभलती हैं, लेकिन जिनके लिए न कैमरे होते हैं, न मंच और न ही शोर भरी सराहनाएं। जीत के जश्न में हम अक्सर उस समय को भूल जाते हैं जब इन्हीं खिलाड़ियों को संसाधनों की कमी, सामाजिक रोक-टोक और उपेक्षा से दो-चार होना पड़ा। इसी चमक-धमक के पीछे एक सादा लेकिन बेहद मजबूत कहानी बैतूल जिले के छोटे से गांव टेमनी से भी निकलकर आती है। इस गांव से तीन युवा लड़कियां फुटबॉल खेलते हुए राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची हैं। यह कहानी किसी बड़े स्पोर्ट्स अकादमी की नहीं है, न ही किसी चमचमाते स्टेडियम की। यह कहानी उन कच्चे रास्तों की है जहां मैदान की जगह ऊबड़-खाबड़ जमीन है, जूते की जगह साधारण चप्पलें और कोच की जगह खुद पर भरोसा। वहां सुविधाएं नहीं होतीं, लेकिन सपने जिद्दी होते हैं और हौसले बेहद मजबूत। टेमनी की ये लड़कियां कोई अपवाद नहीं हैं। देश के हजारों गांवों में ऐसी प्रतिभाएं चुपचाप पसीना बहा रही हैं। महिला फुटबॉल हो, क्रिकेट हो या कोई और खेल, ग्रामीण इलाकों की अधिकतर लड़कियों के लिए पहला मुकाबला प्रतिद्वंद्वी टीम से नहीं, समाज की सोच से होता है। मैदान में उतरने से पहले ही उन्हें घर-परिवार की मानसिकता, सुरक्षा को लेकर डर और सुविधा के अभाव से लड़ना पड़ता है। कई बार खेल को 'लड़कियों के लिए सही नहीं' कहकर सपनों को शुरुआत में ही रोकने की कोशिश की जाती है। जब ये लड़कियां अभ्यास के लिए निकलती हैं तो उन्हें आधुनिक स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर कम और गांव की जमींदोज जमीन ज्यादा मिलती है। न ढंग के मैदान, न ड्रेसिंग रूम, न मेडिकल सहायता और न ही नियमित मार्गदर्शन। इसके बावजूद उनकी जिद उन्हें रोज मैदान में खींच लाती है। बारिश, धूप और तानों के बीच वे खेलती हैं, क्योंकि उन्हें भरोसा होता है कि यह खेल ही उनकी पहचान बनेगा। ऐसे में सवाल यह है कि क्या हमारा सम्मान सिर्फ पदकों और ट्रॉफियों तक सीमित रहना चाहिए? क्या खेल में टिके रहने के हर संघर्ष, हर अभ्यास और हर छोटे कदम पर तालियां जरूरी नहीं हैं?

नए श्रम कानूनों का ऐतिहासिक बदलाव: रोजगार सृजन को गति, उद्योगों को सरलता और श्रमिकों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा

-चार श्रम संहिताओं से निवेश बढ़ेगा, अनुपालन आसान होगा और औपचारिक रोजगार का दायरा विस्तृत बनेगा

भारत के आर्थिक इतिहास पर नजर डालें तो एक दिलचस्प पैटर्न उभरकर सामने आता है। देश में बड़े और संरचनात्मक आर्थिक सुधार अक्सर किसी बड़े संकट के बाद ही संभव हो पाए हैं। वर्ष 1991 इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जब भारत गंभीर विदेशी मुद्रा संकट से जूझ रहा था। उस समय देश के पास मुश्किल से कुछ हफ्तों का आयात चुकाने लायक विदेशी मुद्रा बची थी। हालात इतने खराब थे कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से आपातकालीन कर्ज लेना पड़ा। लेकिन इसी संकट ने भारत को सुधारों के उस रास्ते पर डाला, जिसने देश की अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा ही बदल दी। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीति अपनाई गई। लाइसेंस राज समाप्त किया गया, आयात-निर्यात नियमों को आसान बनाया गया, विदेशी निवेश के दरवाजे खोले गए और बैंकिंग व वित्तीय क्षेत्र में बड़े सुधार किए गए। इन कदमों का परिणाम यह हुआ कि कुछ ही वर्षों में भारत उच्च आर्थिक विकास दर की राह पर लौट आया, विदेशी निवेश तेजी से बढ़ा और आईएमएफ का कर्ज समय से पहले चुका दिया गया। इसके बाद 2000 के दशक में दूरसंचार, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे से जुड़े क्षेत्रों में दूसरी पीढ़ी के सुधार किए गए, जिनके चलते भारत आज दूरसंचार क्रांति का लाभ उठा रहा है। मोबाइल फोन और इंटरनेट आज आम आदमी की पहुंच में हैं और भारत वैश्विक आईटी और सॉफ्टवेयर हब के रूप में स्थापित हो चुका है। इसके बावजूद 1991 के सुधारों से जुड़ा एक बड़ा वादा आज भी अधूरा है—वृहद पैमाने पर औद्योगिक रोजगार सृजन।

विनिर्माण क्षेत्र की सीमित भूमिका: विकास की बड़ी बाधा

आज भारत की अर्थव्यवस्था 1991 की तुलना में दस गुना से भी अधिक बड़ी है। फिर भी विडंबना यह है कि देश की सकल घरेलू

उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी आज भी लगभग 16–17 प्रतिशत के आसपास ही अटकी हुई है। यह वही स्तर है, जो तीन दशक पहले था। नीति-निर्माताओं ने अनेक योजनाएं शुरू कीं—मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना—लेकिन विनिर्माण क्षेत्र वह छलांग नहीं लगा पाया, जिसकी उससे उम्मीद की जा रही थी। इसके परिणामस्वरूप औद्योगिक रोजगार का विस्तार भी सीमित रहा। भारत की श्रम शक्ति का एक बड़ा हिस्सा आज भी असंगठित क्षेत्र में काम करता है, जहां न तो नौकरी की सुरक्षा है, न सामाजिक सुरक्षा और न ही सम्मानजनक श्रम परिस्थितियां। पक्की और स्थायी नौकरियों का अनुपात कुल श्रमबल में लगभग स्थिर बना हुआ है। यदि भारत को 8–9 प्रतिशत की सतत आर्थिक वृद्धि दर हासिल करनी है, युवाओं को आकर्षक और स्थायी रोजगार देने हैं और वैश्विक विनिर्माण श्रृंखला में बड़ी भूमिका निभानी है, तो औद्योगिक रोजगार का बड़े पैमाने पर सृजन अनिवार्य है।

पुराने श्रम कानून: रोजगार सृजन में बड़ी बाधा

लंबे समय से यह आम धारणा रही है कि भारत के पुराने और जटिल श्रम कानून औद्योगिक रोजगार के रास्ते में एक बड़ी बाधा रहे हैं। आज़ादी के बाद बने भारत में करीब 40 से अधिक केंद्रीय श्रम कानून और सैकड़ों राज्य स्तरीय कानून थे। इनमें से कई कानून एक-दूसरे से ओवरलैप करते थे, कुछ तो दशकों पुराने थे और बदलते समय के अनुरूप नहीं थे। खासतौर पर श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, फुटवियर, खिलौने, चमड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबली और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में कंपनियां बड़े पैमाने पर श्रमिक रखने से हिचकिचाती थीं। कारण साफ था—कानून इतने कठोर और अनुपालन की प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि थोड़ा सा भी जोखिम उद्योगों को भारी पड़ सकता था। छंटनी और पुनर्गठन से जुड़े प्रावधान, निरीक्षण व्यवस्था में भ्रष्टाचार की गुंजाइश, अनेक रजिस्टर और रिटर्न की बाध्यता—इन सबने मिलकर उद्योगों के लिए रोजगार बढ़ाना जोखिम भरा बना दिया। परिणामस्वरूप उद्योग स्वचालन या ठेका श्रम की ओर अधिक झुक गए और स्थायी रोजगार का सृजन सीमित रहा।

श्रम सुधार की जरूरत: सिर्फ छंटनी नहीं, समूचा सुधार

समस्या का समाधान केवल भर्ती और छंटनी को आसान बनाने में नहीं था। असल जरूरत थी पूरे श्रम बाजार को अधिक संगठित, पारदर्शी और औपचारिक बनाने की। ऐसा श्रम ढांचा चाहिए था जिसमें एक ओर उद्योगों के लिए अनुपालन आसान हो और दूसरी ओर श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा का संरक्षण मिले। इसी सोच के साथ केंद्र सरकार ने करीब पांच साल पहले श्रम सुधारों की एक महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की। उद्देश्य साफ था— पुराने, बिखरे और जटिल श्रम कानूनों को समेटकर सरल बनाना, नियोक्ताओं के लिए नियमों का पालन आसान करना, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के व्यापक दायरे में लाना, औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन देना

चार नई श्रम संहिताएं: ऐतिहासिक बदलाव

21 नवंबर को भारत ने आधिकारिक रूप से अपनी चार नई श्रम संहिताओं को लागू कर दिया, जो देश के श्रम कानूनों के इतिहास में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। ये चार श्रम संहिताएं हैं— वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य-परिस्थिति संहिता, 2020, इन चार संहिताओं ने लगभग 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को समाहित कर लिया है। इससे न केवल कानूनों की संख्या कम हुई है, बल्कि व्यवस्था भी अधिक स्पष्ट और सुगम बनी है।

वेतन संहिता: समान वेतन, स्पष्ट परिभाषा

वेतन संहिता का मुख्य उद्देश्य है—वेतन से जुड़े कानूनों को सरल और पारदर्शी बनाना। इसमें न्यूनतम मजदूरी, समान कार्य के लिए समान वेतन और बोनस से जुड़े प्रावधान शामिल हैं। पहली बार वेतन की स्पष्ट परिभाषा दी गई है, जिससे वेतन संरचना में हेरफेर की गुंजाइश कम होगी। इससे कर्मचारियों को भविष्य निधि, ग्रेच्युटी और अन्य लाभों में पारदर्शिता मिलेगी। साथ ही यह सुनिश्चित होगा कि किसी भी क्षेत्र में श्रमिकों को उनकी मेहनत का उचित पारिश्रमिक मिले।

औद्योगिक संबंध संहिता: संतुलन की कोशिश

औद्योगिक संबंध संहिता का उद्देश्य उद्योगों और श्रमिकों के बीच संतुलन बनाना है। इसमें यूनियन गठन, हड़ताल, तालाबंदी और विवाद निपटान से जुड़े प्रावधानों को स्पष्ट किया गया है। कुछ मामलों में बड़े प्रतिष्ठानों को छंटनी से पहले सरकार की अनुमति की आवश्यकता पुराने कानूनों की तुलना में सरल हुई है। इससे उद्योगों को संचालन में लचीलापन मिलेगा, जबकि श्रमिकों के अधिकार भी संरक्षित रहेंगे।

सामाजिक सुरक्षा संहिता: दायरा होगा व्यापक

इस संहिता का सबसे बड़ा महत्व यह है कि यह पहली बार गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स और असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का प्रयास करती है। ईपीएफ, ईएसआई, पेंशन, मातृत्व लाभ और बीमा जैसी योजनाओं को एक व्यापक ढांचे में लाया गया है। डिजिटल पंजीकरण के जरिए करोड़ों श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने का रास्ता खुला है।

कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य: मानव गरिमा पर जोर

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य-परिस्थिति संहिता कार्यस्थलों पर सुरक्षा, स्वच्छता और सम्मानजनक परिस्थितियों को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। काम के घंटे, अवकाश, महिला श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों को स्पष्ट किया गया है। चारों श्रम संहिताओं के लागू होने के साथ भारत ने श्रम सुधारों की दिशा में एक बड़ा कदम उठा लिया है। अब असली परीक्षा इनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। यदि राज्य सरकारें इन्हें सही भावना के साथ लागू करें, निरीक्षण व्यवस्था पारदर्शी बने और डिजिटल सिस्टम प्रभावी ढंग से काम करे, तो यह उम्मीद की जा सकती है कि भारत में औद्योगिक निवेश बढ़ेगा, विनिर्माण क्षेत्र मजबूत होगा और लाखों नए रोजगार सृजित होंगे।

भारत का संविधान: न्याय, स्वतंत्रता और समानता का आधार

भारत का संविधान केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय का अद्भुत दस्तावेज है, जिसे हर भारतीय गर्व से अपने हृदय में संजोए रखता है। भारत का संविधान दिवस, जिसे संविधान गौरव दिवस भी कहा जाता है, हर वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिन भारतीय लोकतंत्र के उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब 1949 में इसी दिन संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाने की घोषणा की थी। हालांकि यह संविधान 26 जनवरी 1950 को पूर्ण रूप से लागू हुआ, लेकिन 26 नवंबर का दिन संविधान को स्वीकार करने की स्वर्णिम तिथि के रूप में हमेशा याद किया जाता है। संविधान दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य देशवासियों को संविधान के महत्व, उसकी भावना और उसके मूल्यों से परिचित कराना है। भारत का संविधान विश्व के सबसे विस्तृत और लोकतांत्रिक संविधानों में से एक है, जिसे डॉ. भीमराव आंबेडकर की अध्यक्षता वाली प्रारूप समिति ने तैयार किया था। संविधान निर्माण की प्रक्रिया करीब 2 वर्ष 11 माह 18 दिन चली, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से चुने गए प्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता दी। यह संविधान न केवल विधिक दस्तावेज है, बल्कि भारतीय समाज की विविधता, समानता और न्याय की मूल आत्मा को अभिव्यक्त करता है। संविधान दिवस हमें उन मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, जो हर भारतीय नागरिक को मिले हैं। मौलिक अधिकार नागरिकों को स्वतंत्रता, समानता और न्याय जैसे मूलभूत सिद्धांत प्रदान करते हैं, वहीं मौलिक कर्तव्य हमें राष्ट्रहित, सामाजिक सामंजस्य और राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूक करते हैं। इन अधिकारों और कर्तव्यों के बीच संतुलन ही लोकतंत्र की सफल कार्यप्रणाली का आधार है। डॉ. भीमराव आंबेडकर, जिन्हें संविधान का मुख्य शिल्पकार माना जाता है, ने संविधान को केवल कानूनी दस्तावेज नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बताया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों की संवैधानिक चेतना पर निर्भर करती है। संविधान दिवस, आंबेडकर की दूरदर्शिता, कठिन परिश्रम और समतामूलक समाज की उनकी परिकल्पना को सम्मान देने का भी अवसर है। भारत का संविधान केवल शासन-प्रणाली का दस्तावेज नहीं, बल्कि एक ऐसा जीवन-दर्शन है जो राष्ट्र को न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मार्ग पर अग्रसर करता है। संविधान निर्माताओं ने इसे केवल कानूनी प्रावधानों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि ऐसे मूल्यों को इसमें समाहित किया, जो समाज को मानवीय, प्रगतिशील और समावेशी बनाने की क्षमता रखते हैं। आज जब देश तेजी से बदल रहा है, तब संविधान में निहित इन मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। सबसे पहले बात न्याय की। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक-इन तीनों स्तरों पर न्याय भारतीय लोकतंत्र का मूल स्तंभ है। संविधान का उद्देश्य एक ऐसा समाज निर्माण करना है जहां किसी भी नागरिक के साथ जाति, धर्म, लिंग, भाषा या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो। लेकिन व्यावहारिक जीवन में हम देखते हैं कि असमानताएं अभी भी मौजूद हैं। ऐसे में जरूरी है कि न्याय के मूल्य को केवल कानूनों तक सीमित न रखकर अपने व्यवहार में भी उतारें। इसी प्रकार स्वतंत्रता और समानता भी संविधान के प्रमुख मूल्य हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विचारों की स्वतंत्रता, धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता- ये सभी अधिकार नागरिकों को अपनी पहचान स्थापित करने और समाज में सार्थक योगदान देने का अवसर देते हैं। लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। आपसी सम्मान, मतभेदों को स्वीकारने की क्षमता, और संवाद की संस्कृति ही स्वतंत्रता को स्वस्थ दिशा देती है। समानता का मूल्य हमें यह सिखाता है कि सभी नागरिक अवसरों और अधिकारों में बराबर हैं। समाज में फैले भेदभाव, रूढ़ियां और अनुचित प्रथाएं तभी खत्म होंगी जब हम समानता को व्यवहार में अपनाएंगे। बंधुत्व-संविधान का एक अत्यंत मानवीय मूल्य-समाज को जोड़ने का सूत्र है। विविधताओं से भरे इस देश में सौहार्द, परस्पर सम्मान और सामूहिकता बहुत आवश्यक है। आज के दौर में आपसी ध्रुवीकरण और सामाजिक तनाव कई बार राष्ट्रीय एकता को चुनौती देते हैं। ऐसे में बंधुत्व की भावना ही हमें एक-दूसरे के करीब ला सकती है। संविधान में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानव गरिमा, दया, करुणा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रभक्ति, साम्प्रदायिक सद्भाव आदि को भी मौलिक कर्तव्यों के रूप में स्थान दिया गया है। ये कर्तव्य हमें यह याद दिलाते हैं कि अधिकारों के साथ-साथ देश, समाज और मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी हैं। आज की युवा पीढ़ी और नागरिक समाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संवैधानिक मूल्यों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहने दें। उन्हें व्यवहार, नीति, शासन, परिवार, शिक्षा और सामाजिक जीवन के हर स्तर पर अपनाएं। संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है-यदि हम इसके मूल्यों को ईमानदारी से अपनाएं, तो न केवल राष्ट्र अधिक समृद्ध, सुरक्षित और प्रगतिशील बनेगा, बल्कि एक न्यायपूर्ण और संवेदनशील समाज का निर्माण भी संभव होगा। इस प्रकार, भारत के संविधान में निहित मूल्य केवल आदर्श नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। इनका पालन करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य और देश के उज्ज्वल भविष्य की आवश्यकता है। अंत में, 26 नवंबर का संविधान दिवस हमें यह संदेश देता है कि लोकतंत्र तभी सुरक्षित और सशक्त रह सकता है, जब नागरिक संविधान के प्रति जागरूक हों और उसके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं।

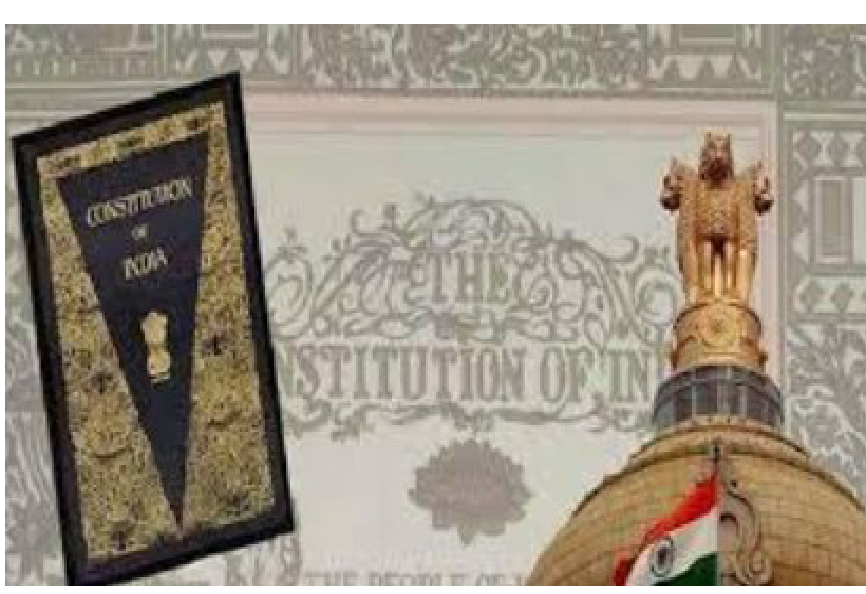

-बाबूलाल नागा

स्वास्थ्य की सुविधा से कोई गांव न छूटे

उत्तराखंड की पहाड़ियों में बसा एक छोटा-सा गांव गनीगांव। दूर से देखने पर यह स्थान ऐसा लगता है जैसे प्रकृति ने उसे अपने हाथों से तराशा है। धुएँ से मुक्त आसमान, हरियाली से भरी ढलानें और सुबह-सुबह सुनाई देने वाली नदी की धीमी कलकल। लेकिन इस मोहक दृश्य के पीछे एक वास्तविकता छिपी है जिसे वहां रहने वाले लोग हर दिन महसूस करते हैं। गरुड़ ब्लॉक स्थित गनीगांव की आबादी लगभग 1445 है। यहां के लोग पहाड़ों से प्यार करते हैं। वे मेहनत करते हैं, खेतों में काम करते हैं, पढ़ते-लिखते हैं और अपने बारे में किसी बाहरी की तुलना में बेहतर जानते हैं। यहां की 80 प्रतिशत साक्षरता दर इस बात का प्रमाण है कि ये लोग सीखने और समझने के लिए हमेशा आगे रहे हैं। लेकिन जिस चीज़ का उन्हें वर्षों से इंतज़ार है, वह है एक स्थायी स्वास्थ्य सुविधा। एक ऐसा केंद्र जहां बीमारी आने पर केवल पहाड़ों की ढलानों और पगडंडियों से लड़ना न पड़े, बल्कि इंसानों की मदद भी मिल सके।

गांव की 16 वर्षीय दीपा जब कहती है, "सर्दी-खांसी के लिए भी दस किलोमीटर जंगल पार करके जाना पड़ता है," तो उसकी बात साधारण बयान नहीं होती है, वह उन परिस्थितियों को बयां करती है जो एक बीमार शरीर के लिए पहाड़ों पर चढ़ने और उतरने में गुजरते हैं। वह उन रातों का दर्द भी कहती है, जब परिवार इस चिंता में जागता है कि कहीं रास्ते में तबीयत और न बिगड़ जाए। पहाड़ों में जंगल भले ही जीवन के हिस्से हों, लेकिन बीमारी के समय वही जंगल असहनीय बन जाते हैं। गनीगांव की ज्यादातर लड़कियाँ इन रास्तों को अपने बचपन की पगडंडियों की तरह जानती हैं। लेकिन उनकी जिंदगी का सबसे कठोर सच यही है कि बीमारी के सामने यही पगडंडियां उनके साहस की सीमाओं को जांचने लगती हैं। तब इलाज की दूरी सिर्फ किलोमीटर नहीं होती वह उनके अपने जीवन, परिवार और भविष्य से जुड़ जाती है। 18 वर्षीय नीतू रावल कहती हैं, "गांव में जब कोई अचानक से हादसा या दुर्घटना हो जाए, उस समय गांव में स्वास्थ्य सुविधा का नहीं होना, जीवन को खतरे में डाल देता है। ऐसे में उन्हें 33 किमी दूर बैजनाथ ले जाना पड़ता है।" गांव की बुजुर्ग चानुली देवी, कहती हैं "प्रसव पीड़ा के समय, एक महिला को जंगलों के रास्ते कंधों पर उठाकर ले जाना क्या आप उस दर्द की कल्पना भी कर सकते हैं?" उनकी आंखों में उस दृश्य की तस्वीर उभरती है जो उन्होंने बार-बार देखा है। वहीं 55 वर्षीय देवकी देवी 12 साल पुरानी याद बताते हुए आज भी कांप जाती हैं। वह बताती हैं कि एक दिन गांव की एक महिला जंगल में लकड़ी काट रही थी। अचानक उसका पैर फिसला और वह खाई में गिर गई। उसके सिर में गंभीर चोट लगी। उसे बैजनाथ जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुँचने से पहले उसकी मौत हो गई। अगर गांव में ही उसे प्राथमिक चिकित्सा मिल जाती, तो शायद उसकी जान बच सकती थी।" ग्राम प्रधान हेमा देवी भी गांव में कमजोर स्वास्थ्य ढांचा से बखूबी वाकिफ हैं। वह कहती हैं, "गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं होने से लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विशेषकर सर्दियों के दिनों जब बच्चे अधिक बीमार पड़ते हैं तो ऐसे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कमी बहुत अधिक महसूस होती है क्योंकी मौसमी बीमारी का यहां आसानी से इलाज मुमकिन हो सकता है। लेकिन नहीं होने से परेशानी अधिक बढ़ जाती है।" वह कहती हैं कि इस संबंध में वह लगातार प्रयास कर रही हैं कि गांव के अंदर ही लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके।

गनीगांव में स्वास्थ्य सुविधा किसी एक व्यक्ति का मुद्दा नहीं है। यह गांव की हर किशोरी, मां और हर परिवार की आवश्यकता है। यहां के पुरुष खेतों और पशुपालन में जुटे रहते हैं, जबकि महिलाएं घर से बाहर के काम और बच्चों की देखभाल करती हैं। बीमारी के समय दोनों अपने हिस्से का काम छोड़कर एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। लेकिन सच यही है कि उनके पास इलाज तक पहुंचने के लिए केवल दो रास्ते हैं एक-दूसरे की मदद और पहाड़ों पर लंबे सफर तय करना। लेकिन यह कठिनाई यहीं तक सीमित नहीं होती है। सबसे अधिक मुश्किल बारिश और सर्दियों के दिनों में होती है। इस दौरान यही पहाड़ी रास्ते फिसलन भरे हो जाते हैं। वहीं सर्दियों के दिनों में जब बर्फ पड़ती है, तो मोबाइल नेटवर्क के साथ-साथ उम्मीद भी जमने लगती है। गनीगांव के लोगों को अस्पताल की सुविधा चाहिए। यह किसी सुविधा की मांग नहीं, बल्कि उस समाज के सम्मान की इच्छा है जो हर दिन अपने लोगों का वजन अपने कंधों पर उठाता है। यह वही सम्मान है जो किसी नवजात के पहले रोने से लेकर किसी के घाव के भरने तक में छिपा होता है। यहां के लोगों को उम्मीद है कि एक दिन उनके गांव में भी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी, तब कोई औरत सड़क तक कंधों पर उठाकर नहीं ले जाई जाएगी। तब बीमारी पहाड़ों से युद्ध नहीं होगी, बल्कि इंसानों के बीच एक छोटे से पुल की तरह होगी जो उनके लिए राहत और जीवन को जोड़ती होगी। गनीगांव की कहानी केवल एक गांव की नहीं, बल्कि पूरे पहाड़ी अंचल की सच्चाई है, जहां स्वास्थ्य सेवा आज भी लोगों के लिए सपना बनी हुई है। सड़क, बिजली और शिक्षा की तरह स्वास्थ्य भी बुनियादी अधिकार है, जिसे भूगोल के आधार पर सीमित नहीं किया जा सकता। छोटे-से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से ही सर्दी, बुखार, प्रसव और दुर्घटनाओं में बहुमूल्य जान बचाई जा सकती है। गांव में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होने से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक राहत मिलेगी। अब ज़रूरत है संवेदनशील नीति और ज़मीनी कार्रवाई की।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

किरण रावल
गनीगांव, गरुड़ बागेश्वर, उत्तराखंड

पर्यटन, निवेश और औद्योगिक विकास की राह पर राजस्थान तेजी से अग्रसर - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पर्यटन, निवेश और औद्योगिक विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों के साथ-साथ प्रभावी सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम से प्रदेश में पर्यटन से संबंधित निवेश प्रक्रियाएं सुगम हुई हैं। उन्होंने निवेशकों से प्रदेश में अधिक-से-अधिक निवेश का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार उन्हें हर संभव सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा गुरुवार को एक निजी होटल में प्रवासी राजस्थानी दिवस के क्रम में आयोजित पर्यटन विभाग की प्री-समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मातृभूमि से भावनात्मक रूप से जुड़ने का अवसर मिलता है, बल्कि उन्हें राज्य के विकास में सहभागिता का भी मौका मिलता है।

नई पर्यटन नीति से पर्यटन का आधारभूत ढ़ांचा होगा सुदृढ़-

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन के आधारभूत ढांचे को और सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार शीघ्र नई पर्यटन नीति लाएगी। इसके अंतर्गत पर्यटक सुविधाओं, मार्केटिंग एवं प्रमोशन, मेले एवं त्योहार, डिजिटल एवं एआई, कौशल विकास, युवाओं को रोजगार और निवेश के कार्य पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस नीति की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित नीति कार्यान्वयन इकाई भी स्थापित की जाएगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यटन एवं हॉस्पिटलिटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा प्रदान किया है। यह हमारी पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रदेश में 15 करोड़ देशी, 12 लाख विदेशी पर्यटकों का हुआ आगमन-

शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपार संभावनाओं का प्रदेश है। भव्य किले, महल, हवेलियां, थार का मरुस्थल, वन्यजीव अभयारण्य, आस्था धाम और झीलों की उपलब्धता राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में निराला प्रदेश बनाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन का निरंतर विस्तार हो रहा है। इस वर्ष अगस्त तक राज्य में 15 करोड़ से अधिक देशी तथा करीब 12 लाख विदेशी पर्यटक आ चुके हैं।

पर्यटन क्षेत्र में 1 लाख 44 हजार 625 करोड़ के एमओयू, 2 लाख रोजगार के अवसरों का होगा सृजन-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से लगभग 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड-ब्रेकिंग हो चुकी है। इनमें पर्यटन क्षेत्र में कुल 1 हजार 702 एमओयू किए गए थे। उन्होंने कहा कि इन एमओयू से 1 लाख 44 हजार 625 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश से लगभग 2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। शर्मा ने कहा कि इनमें से 277 परियोजनाएं ग्राउंड-ब्रेकिंग चरण में प्रवेश कर चुकी हैं, जिनका प्रस्तावित निवेश 10 हजार करोड़ है। इनसे लगभग 16 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

शेखावटी क्षेत्र में 662 हवेलियां का होगा संरक्षण, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा-

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ-साथ विरासत के मूल मंत्र को आत्मसात् करते हुए राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद 2.0 के अंतर्गत खाटूश्याम जी, करणी माता मंदिर, मालासेरी डूंगरी समेत अनेक धार्मिक स्थलों का विकास कार्य किया जा रहा है। वहीं, महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, ब्रज चौरासी परिक्रमा और कृष्ण गमन पथ जैसे परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण पर्यटन, वेलनेस टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, इको टूरिज्म और ट्राइबल टूरिज्म के विस्तार पर समर्पित होकर कार्य कर रही है। राजस्थान में कल्चरल, क्राफ्ट-कूजिन, वेडिंग, मेडिकल और फिल्म टूरिज्म भी तेजी से विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शेखावटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण के लिए प्रभावी कार्य कर रही है। झुंझुनूं, सीकर और चुरू जिलों की 662 हवेलियों को पर्यटन के लिए संरक्षित किया जा रहा है, जिससे यहां पर्यटन बढ़ेगा।

जयपुर में दहशत:

नेहरू नगर और पानीपेच में लेपर्ड की दस्तक, CCTV में दिखा मूवमेंट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के रिहायशी इलाकों में एक बार फिर लेपर्ड (तेंदुए) की दहशत फैल गई है। शहर के नेहरू नगर और पानीपेच इलाके में लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया है, जिसके बाद वन विभाग ने 'हाई अलर्ट' जारी कर दिया है।

CCTV में कैद हुआ मूवमेंट

सोमवार देर रात इलाके के एक सीसीटीवी कैमरे में लेपर्ड का मूवमेंट कैद हुआ है। वीडियो सामने आते ही स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया है। लोग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं।

ट्रैंकुलाइज करने की तैयारी

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लेपर्ड को रेस्क्यू करने के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं। विभाग का 'ट्रैंकुलाइज मिशन' (Tranquilize Mission) पूरी तरह तैयार है। शूटर और रेस्क्यू टीम जाल और गन लेकर संभावित जगहों पर तलाश कर रही है।

इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज

नेहरू नगर और पानीपेच के आसपास की झाड़ियों और सूने मकानों में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। प्रशासन ने स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और रात के समय अकेले बाहर न निकलें। फिलहाल लेपर्ड की लोकेशन ट्रेस करने की कोशिशें जारी हैं।

राज्यपाल ने राजस्थान विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय में नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया

-राजकीय विश्वविद्यालय शैक्षिक रैंकिंग में सुधार के लिए कार्य करे - राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राज्य के वित्त पोषित राजकीय विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक रैंकिंग में सुधार के लिए गंभीर होकर कार्य करे। उन्होंने इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अधिकाधिक जोर दिए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कुलगुरु चयन में यह विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि वे राज्य को उच्च शिक्षा में देश और विश्व में अग्रणी बनाए। राज्यपाल बागडे गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय में नव निर्मित भवन "ब्लॉक बी" के लोकार्पण पश्चात आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने वाणिज्य विषय के अंतर्गत होने वाले कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि जो वाणिज्य का अध्ययन करता है, वह नौकरी के लिए रुचि नहीं रखेगा। वह व्यवसाय करने में रुचि लेगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का नेक ग्रेड होना जरूरी है। विश्वविद्यालय में भवन और दूसरी सुविधाएं होना ठीक है, पर सबसे अधिक जरूरी है वहां शैक्षणिक गुणवत्ता। उन्होंने नैक ग्रेड लिए सभी विश्वविद्यालयों को प्रयास किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि पहले जो शिक्षा नीतियां थी, वे अंग्रेजों द्वारा स्थापित, उनकी सोच से जुड़ी हुई ही थी। नई शिक्षा नीति पूरी तरह से भारतीय है। उन्होंने विनोबा भावे को स्मरण किया और कहा कि उनका यह मानना था कि जिस दिन देश आजाद हुआ, राष्ट्र का झंडा बदला गया, उसी समय शिक्षा की पद्धति भी बदलनी चाहिए थी।

बागडे ने कहा कि लार्ड मैकाले चाहता था भारत सदा मानसिक रूप से गुलाम बना रहे। इसलिए ऐसी शिक्षा नीति बनाई जो देश के नैतिक बल को कमजोर करे। उन्होंने कहा कि यूरोप में पहली यूनिवर्सिटी 1088 में बोलगना यूनिवर्सिटी बनी। उससे पांच सौ साल पहले हमारे यहां नालंदा और तक्षशिला यूनिवर्सिटी थी। दूर दूर से वहां विद्यार्थी पढ़ने आते थे। वहां के दुर्लभ ज्ञान को नष्ट करने लिए बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को जला दिया। राज्यपाल ने कहा कि भारत ही वह राष्ट्र रहा है, जिसने शून्य का ज्ञान विश्व को दिया। इसी से विश्व को गणना करने की दृष्टि मिली। समारोह में मालवीय नगर के विधायक कालीचरण सराफ ने विश्वविद्यालय से अपने जुड़ाव की चर्चा करते हुए कहा कि यहीं से छात्र राजनीति में पहले महासचिव और बाद में विश्वविद्यालय अध्यक्ष बनने का अवसर मिला। इसलिए विश्वविद्यालय के विकास के प्रति वह दायित्व रखते हैं। उन्होंने कॉमर्स कॉलेज को दस लाख रुपए के आर्थिक सहयोग की घोषणा की। विधायक गोपाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

शेखावाटी अंचल में पहुंचेगा यमुना जल, सरकार प्रतिबद्ध - जल संसाधन मंत्री

- जल संसाधन मंत्री ने केन्द्र और हरियाणा सरकार कोदिया धन्यवाद

- यमुना जल के लिए संयुक्त टास्क फॉर्स डीपीआर को दे रही है अंतिम रूप

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के लिए अतिमहत्वपूर्ण अपर यमुना रिव्यू कमेटी की 9वीं बैठक गुरुवार को नोएडा के यमुना भवन में हुई। इसमें राजस्थान से जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत शामिल हुए। बैठक में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भागीरथ प्रयासों से वर्षों से लंबित यमुना जल अपवर्तन कार्य को धरातल पर लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में अंतिम छोर तक जल उपलब्धता की दिशा में महत्वपूर्ण फैसले ले रही हैं। यमुना जल की यह परियोजना राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। उन्होंने बताया कि फरवरी, 2024 में यमुना जल के सम्बंध में एक ऐतिहासिक एमओयू के अनुरूप हरियाणा और राजस्थान सरकार द्वारा संयुक्त टास्क फॉर्स का गठन किया गया। इस फॉर्स द्वारा ही डीपीआर को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शेखावाटी अंचल सीकर, चूरू, झुंझुनूं सहित आसपास के क्षेत्रों की जल सुरक्षा के लिए यमुना जल बेहद आवश्यक है। जल संसाधन मंत्री

ने केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को धन्यवाद दिया, जिनके अथक प्रयासों से यमुना जल शेखावटी अंचल तक लाने के कार्यों को गति मिली हैं। रावत ने बताया कि हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड में यमुना एवं इसकी सहायक नदियों पर तीन परियोजनाएं-रेणुकाजी, लखवार और किशाऊ का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार ने तीनों परियोजनाओं में अपनी हिस्सेदारी की राशि स्वीकृत कर दी है, ताकि समयबद्ध कार्य पूरे हो सकें। रावत ने बताया कि इन प्रगतिरत परियोजनाओं के साथ-साथ मानसून में यमुना नदी के व्यर्थ बहकर जा रहे जल में से आंशिक जलराशि राजस्थान में अपवर्तित करने के लिए परिवहन तंत्र का निर्माण किया जाना आवश्यक है। राजस्थान सरकार द्वारा इस तंत्र की डीपीआर तैयार करने के लिए कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। यह डीपीआर दोनों राज्यों की संयुक्त टास्क फॉर्स के समन्वय से तैयार हो रही है। इसे शीघ्र ही केन्द्रीय जल आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जल संसाधन मंत्री ने बताया कि इस तंत्र से न केवल बाढ़ में व्यर्थ बहकर जा रहे जल का सदुपयोग संभव होगा, बल्कि भविष्य की इन परियोजनाओं के जल को राजस्थान में लाकर विभिन्न जिलों में जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। रावत ने हथिनी कुण्ड बैराज से राजस्थान में यमुना जल अपवर्तन के लिए रेणुकाजी, लखवार और किशाऊ को राष्ट्रीय परियोजनाओं का अभिन्न अंग मानकर वित्तीय सहायता प्रदान कराने का आग्रह किया। साथ ही, ओखला हैड से गुड़गांव नहर प्रणाली के जीर्णोद्धार कराने को भी अत्यन्त आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि नहर की क्षमता बढ़ने से राजस्थान को आवंटित जल भी प्राप्त हो सकेगा।

शहीद स्मारक पर महिला गिग वर्करों का हल्लाबोल

-बीमा, पेंशन और गिग वर्कर कानून लागू करने की मांग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर महिला गिग वर्करों ने अपने अधिकारों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। 'जवाबदेही यात्रा' के तहत एकजुट हुई इन महिलाओं ने सरकार से गिग वर्कर कानून को तत्काल प्रभाव से लागू करने और सामाजिक सुरक्षा देने की मांग की है।

बीमा और पेंशन की उठी मांग:

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने मांग की है कि उन्हें भी अन्य कर्मचारियों की तरह सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जाए। उनकी प्रमुख मांगों में स्वास्थ्य बीमा (Insurance) और बुढ़ापे के लिए पेंशन की सुविधा शामिल है। महिलाओं का कहना है कि वे दिन-रात मेहनत करती हैं, लेकिन उन्हें कोई सुरक्षा कवच नहीं मिल रहा।

अलग बोर्ड और कानून पर जोर:

आंदोलनरत महिलाओं ने गिग वर्करों के लिए एक 'अलग कल्याण बोर्ड' के गठन की मांग भी पुरजोर तरीके से उठाई है। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर कानून (Gig Worker Law) सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर दिखना चाहिए।

"हक़ चाहिए, अब नहीं रुकेगी लड़ाई":

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं में काफी आक्रोश देखा गया। उन्होंने "हक़ चाहिए, अब नहीं रुकेगी लड़ाई" के नारे लगाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं और कानून सख्ती से लागू नहीं होता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

ऑपरेशन क्लीन स्वीप:

विधाधरनगर स्टेडियम के पास स्मैक तस्कर गिरफ्तार, 2.72 ग्राम नशीली दवा जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। डीएसटी टीम एवं पुलिस थाना विधाधरनगर, जयपुर उत्तर ने "ऑपरेशन क्लीन स्वीप" के तहत संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक तस्कर नरेन्द्र कुमार सांसी को गिरफ्तार कर 2.72 ग्राम स्मैक बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा (आई.पी.एस) के दिशा-निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (द्वितीय) जयपुर उत्तर बजरंग सिंह (आर.पी.एस) व सहायक पुलिस आयुक्त (शास्त्रीनगर) सुरेन्द्र सिंह के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम एवं थाना विधाधरनगर की एक टीम गठित की गई। नेतृत्व में दिलीप कुमार सोनी (पु.नि.), प्रभारी, जिला स्पेशल टीम तथा थानाधिकारी नरेन्द्र कुमार खींचड (पु.नि.) के निर्देश पर टीम ने तत्काल जांच-पकड़ शुरू की।

डीएसटी जयपुर उत्तर को प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर 26.11.2025 को विधाधरनगर स्टेडियम के पास खडेर संदिग्ध को पकड़ कर पूछताछ की गई। स्वयं को नरेन्द्र कुमार सांसी (पु. पाँचलाल सांसी, उम्र 25 वर्ष) बताने वाले आरोपी का निवास बिनाय, अजमेर बताया गया है तथा वर्तमान में वह झुग्गी-झोपड़ी पावर हाउस के पास, थाना विश्वकर्मा, जयपुर में रह रहा था। उसकी तलाशी में 2.72 ग्राम स्मैक बरामद कर जप्त कर लिया गया। घटना के संबंध में थाना विधाधरनगर पर प्रकरण संख्या 522/2025 के अंतर्गत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और स्मैक तस्करी से जुड़ा अग्रिम अनुसंधान गहनतापूर्वक जारी है। कार्रवाई में शामिल जिला स्पेशल टीम, जयपुर उत्तर के प्रमुख सदस्य रहे: दिलीप कुमार सोनी (पु.नि.), सुरेन्द्रपाल सिंह हैडकानि (1138), ओमवीर सिंह कानि (9851) और सुजीत कुमार कानि (12590)। पुलिस थाना विधाधरनगर से कार्रवाई में शामिल रहे: थानाधिकारी नरेन्द्र कुमार खींचड (पु.नि.), उपनिरीक्षक हरिराम, अशोक हैडकानि (1233) और महीपाल कानि (11777)। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशीले पदार्थों की तस्करी एवं खपान के बारे में संदेहास्पद सूचनाएँ तुरंत स्थानीय पुलिस या जिला स्पेशल टीम को दें ताकि ऐसे तत्वों के विरुद्ध सतत कार्रवाई जारी रखी जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने किया तीन ईआरओ का सम्मान

-भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रदान की सुविधा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरुवार को जिले के तीन निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों को सम्मानित किया। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शाहपुरा निर्वाचक पदाधिकारी संजीव कुमार खेदर, दूदू निवार्चक पदाधिकारी रमेश कुमार एवं बस्सी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी डॉ. गरिमा सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बीएलओ से संवाद के दौरान उन्होंने न केवल उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की, बल्कि यह भी कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आग्रह किया कि वे अपने अनुभव, ऊर्जा और कार्यकुशलता से अन्य साथियों को प्रेरित कर उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्गदर्शन दें, ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली रूप में आगे बढ़ सके उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि जयपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी निरंतर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी

मेघराज मीणा ने बताया कि 36 लाख 75 हजार 806 यानी 76.03 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 18 हजार 372, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 20 हजार 301, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 31 हजार 369, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 10 हजार 421, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 31 हजार 63, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 26 हजार 32, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 57 हजार 487, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 7 हजार 735, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 89 हजार 914 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 35 हजार 908, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 82 हजार 25, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 21 हजार 135, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 50 हजार 343, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 71 हजार 848, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 44 हजार 732, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 42 हजार 101 एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 26 हजार 263 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में अब साधारण जानकारी के आधार पर नाम खोजने का विकल्प मुहैया करवाया गया है, जिससे मतदाताओं को अपना नाम खोजने और परिगणना प्रपत्र भरने में और अधिक सहजता मिलेगी। निर्वाचन विभाग द्वारा साथ ही मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने हेतु ऑनलाइन विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। मतदाता स्वयं अपना परिगणना प्रपत्र https://voters.eci.gov.in/ पर जाकर अथवा प्रदान किए गए QR Code को स्कैन कर ऑनलाइन भर सकते हैं।

जयपुर में अतिक्रमण के खिलाफ निगम की सख्त कार्रवाई, 37,700 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व में प्राप्त शिकायतों के आधार पर गुरुवार को सतर्कता शाखा द्वारा शहर में अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में निगम टीमों ने जयपुर के कई प्रमुख इलाकों में कार्रवाई कर सड़कों और फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराया। सतर्कता शाखा की टीमें ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी के सामने, अक्षय पात्र चौराहा से विधाणी चौराहा तक, एस.एम.एस. अस्पताल व ट्रोमा सेंटर के सामने, वी.के.आई. क्षेत्र, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, संजय सर्किल, संसार चंद्र रोड, अजमेर रोड, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, सिविल लाइन मेट्रो स्टेशन, किशनपोल बाजार, चोड़ा रास्ता, जौहरी बाजार, रामगंज बाजार और रामगंज चौपड़ सहित अन्य व्यस्त स्थानों पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान सड़क किनारे व सार्वजनिक स्थलों पर लगे ठेले, अस्थायी दुकानें और अन्य सामान हटवाए गए। इस दौरान 9 केंटर सामान जब्त कर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। साथ ही अतिक्रमण करने वालों से मौके पर ही 37 हजार 700 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि अभियान के दौरान अतिक्रमणकारियों को समझाइश देते हुए भविष्य में समय पर अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोचूकाबास स्थित विद्यालय के कक्षा कक्ष, बरामदा निर्माण के लिए पहुंची इंजीनियरों की टीम

-20 लाख रुपए की लागत से होगा निर्माण कार्य

-जिला खनिज निधि योजना के तहत हुई है स्वीकृति

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम लोचुकाबास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को जिला खनिज निधि ट्रस्ट योजना के तहत कक्षा कक्ष मय बरामदा व फर्श निर्माण के लिए इंजीनियरों की टीम भौतिक निरीक्षण के लिए विद्यालय पहुंची। निर्माण कार्य के लिए 20 लाख रुपए की स्वीकृति जारी हुई है। भाजपा नेता गणपत वर्मा ने बताया कि विद्यालय के कुछ कक्षा कक्ष क्षतिग्रस्त होने से विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

जिस पर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने जिला खनिज निधि ट्रस्ट योजना के तहत 20 लाख रुपए के राशि स्वीकृत की है। इस निर्माण कार्य को मूर्त रूप देने के लिए जिला परिषद के अधिशाषी अभियंता विजय जलोवा, सहायक अभियंता शंकरलाल, कनिष्ठ अभियंता जितेंद्र यादव, संजय वर्मा सहित अन्य सदस्य पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्य रूपरेखा को अंतिम रूप देते हुए विद्यालय के कमरा नं. 6 व 7 के उपर कक्षा कक्ष का निर्माण तथा कमरा नंबर 15 एवं 16 की छत की पटिटया

हटाकर आरसीसी का निर्माण कार्य करवाने की बात कही। इस दौरान प्रधानाचार्य उमेश चंद्र शर्मा, उप प्रधानाचार्य मनोज शर्मा, एसएमसी सदस्य रीछपाल यादव, बंशीधर पटवारी सहित मौजूद थे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

वक्फ संपत्ति एवं एसआईआर को लेकर जागरूकता अभियान के तहत कैंप लगाया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित जामिया अरबिया दारुल उलूम जयपुर रोड पर एक कैंप रखा गया जिसमें वक्फ बोर्ड संरक्षण एवं एसआईआर से संबंधित जानकारियां दी गई जैसा कि राजस्थान सरकार के आदेशानुसार उम्मीद पोर्टल पर जाकर वक्फ संपत्तियों के बारे में जागरूक किया गया। और एसआईआर के लिए सरकार द्वारा लगाए गए बिएलओ को सहयोग करें। जैसा की 2 दिन पहले इंटेलेक्चुअल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मीटिंग में कहा गया था की वक्फ संरक्षण अधिनियम के तहत वक्फ संपत्तियों को रजिस्ट्रेशन कराया जाए और 2003 के बाद हो रही नई एसआईआर को दुरुस्त करावे एवं बिएलओ को सहयोग करें इसी के तहत आज यह कैंप दारुल उलूम द्वारा लगाकर सभी को जागरूक किया गया कैंप के संयोजक हाजी याकूब थीम ने बताया की चूरू तहसील की सभी मस्जिद मदरसो के जिम्मेदारानों को सूचित किया गया था। सैकड़ो की संख्या में लोगों ने भाग लिया और अभियान को सफल बनाया। कार्यक्रम में शहर इमाम पीर सैयद मोहम्मद अनवार नदीमुल कादरी का मदरसे द्वारा साफा बांधकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में हाजी याकूब थीम, मुफ्ती इरशाद कासमी, रिटायर्ड एडिशनल एसपी अयूब खान, सीनियर फिजिशियन डॉक्टर एफ एच गौरी, डॉक्टर मुस्तकीम शेख, रिटायर्ड प्रिंसिपल राशिद खान मोयल, हाजी हनीफ खान, हाजी यूनुस खान, पुर्व पार्षद इस्माइल बाबू, आवेश कुरैशी, महबूब खान, फारूक मास्टर आदि ने अभियान मैं सहयोग किया एवं वक्ताओं ने वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण और ऑनलाइन पंजीकरण कराने के फायदे बताए। यह पोर्टल, जिसका पूरा नाम एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (Unified Waqf Management, Empowerment, Efficiency and Development) है, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की एक पहल है। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता, बेहतर प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जागरूकता अभियानः लोगों को वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर पंजीकृत कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है, खासकर उन जगहों पर जहां अभी तक पंजीकरण नहीं हुआ है। पंजीकरण के लाभः पंजीकरण से वक्फ संपत्तियों की पहचान, स्थिति, उपयोग और आय-व्यय का ऑनलाइन ट्रैक रखा जा सकेगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि कई राज्यों में 5 दिसंबर 2025 है। जागरूकता कार्यक्रम के बाद शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने दुआ की और हाजी याकूब थीम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नव निर्वाचित विधायक प्रमोद भाया ने धर्मपत्नी उर्मिला जैन भाया के साथ नाकौडा जी जाकर पूजा-अर्चना की

बारां (रॉयल पत्रिका) ।नव निर्वाचित विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने विधायक पद की शपथ लेने के बाद धर्मपत्नी जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया के साथ श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र श्री नाकौडा जी जाकर पूजा-अर्चना की। गत दिनों विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया की ऐतिहासिक जीत हुई। विधायक पद की शपथ के बाद विधायक प्रमोद जैन भाया ने जीवन साथी उर्मिला जैन भाया के साथ नाकौडा जी पहुंचकर श्री पार्श्वनाथ भगवान व नाकौड भैरव देव की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र के अमन, शांति और समृद्धि के लिए मंगल कामनाएँ की।

जयपुर डेयरी चेयरमैन ओम प्रकाश पूनियां ने शुरू की एक अनूठी पहल

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील क्षेत्र में इन दोनों शादियों का फैसला चल रहा है इसको लेकर जयपुर सरस डेयरी के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया एक अनूठी पहल शुरू की है। इसको लेकर हर ग्रामीण क्षेत्रों में दूध पलकों की बच्चियों की साथियों में मेरा बने पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार राजस्थानी संस्कृति में मायरा सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि बेटी के प्रति सम्मान की भावना है। यह परंपरा भगवान कृष्ण से जुड़ी पौराणिक कथा से प्रेरित है, जहां नरसी भगत की भक्ति से प्रभावित होकर श्रीकृष्ण ने उनकी बेटी का दहेज चुकाया था। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब जयपुर डेयरी के चैयरमेन ओम प्रकाश पूनियां सैकड़ो नरसी भक्तों के साथ (डेयरी सचिव) ने मिलकर कालाडेरा जोन की बाघा का बास कोड न 4104 दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति के भात में ₹21000 हजार का चेक व 1100 रुपए तथा चुनरी बैस बच्चियों (दुल्हन) के कपड़े सम्मान के साथ केशरी देवी की बेटी को भेंट किया गया। इस अवसर डेयरी के चैयरमेन पुनियां के अनुसार यह योजना सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम है। इसका उद्देश्य लिंगानुपात सुधारना, बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करना और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकना है। खास तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को इससे राहत मिलेगी। इस अवसर श्रवण रेवाड़, भगवान जॉन, इंचार्ज पृथ्वी सिंह कहां की यह मोहिम चला कर बच्चों की शादी में सहयोग अच्छा योगदान दिया जा रहा है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, इंचार्ज पृथ्वी सिंह की उपस्थिति में भात भरा। इस अवसर पर सरस डेयरी के सचिव हीरालाल शर्मा ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बेटियों के विभव से अधिक सहयोग प्रदान करना है ताकि परिवार पर बाहर पडने वाला भोज काम हो सके और ग्रामीण परिवारों की सामाजिक जरूरतो पूरी हो सके। इस मौके पर हीरा लाल शर्मा, कैलाश बाबूलाल कुमावत नेमीचंद कुमावत, सरस डेयरी सदस्य ईश्वर दयाल यादव आली सर सरस डेयरी के सचिव सतीश स्वामी, फोटो स्टूडियो पप्पू शर्मा, सहित अनेक बड़ी संख्या में सचिव गण उपस्थित रहे ।

6 साल से फरार 10 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर सूरज उर्फ डैनी मीना गिरफ्तार

बालघाट (रॉयल पत्रिका)। बालघाट थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है, 6 साल से फरार 10 हजार के इनामी बदमाश सूरज उर्फ डैनी उर्फ शेरू मीना को गिरफ्तार करने में सफलता हासिलकी है, गिरफ्तार हिस्ट्री सीटर देने पर चोरी, लूट, अपहरण, हत्या, आर्म्स एक्ट और मारपीट जैसे संगीन धाराओं में मामले चल रहे हैं। थानाधिकारी महेश कुमार मीणा ने बताया कि एसपी लोकेश सोनवाल के निर्देशन में एडिशनल एसपी गुमनाराम व हिंडौन एडिशनल एसपी सत्येंद्र पाल, डीएसपी मुरारी लाल मीणा के निकटतम सुपरविजन में फरार इनामी बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, मुखबिर के जरिए पुलिस को सूचना मिली थी कि भोपुर गांव के हार में इनामी बदमाश हिस्ट्रीशीटर सूरज उर्फ डैनी घूम रहा है, सूचना पर पुलिस ने देखा की स्कॉर्पियो गाड़ी के पास कुछ लोग नजर आए, पुलिस को देखकर तीन बदमाश स्कॉर्पियो गाड़ी लेकरभागने लगे, पुलिस ने रोका तो बैक गियर लगाकर तेज गति से गाड़ी दौड़ने लगे इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर खेतों में उतर गई, गाड़ी पलटने से तीनों बदमाश गाड़ी के नीचे दब गए तत्पश्चात पुलिस ने तीनों को बाहर निकाला, तत्पश्चात तीनों को अस्पताल भर्ती कराया उपचार के बाद हिस्ट्रीशीटर सूरज उर्फ डैनी को गिरफ्तारकर लिया, इसके अलावा हिस्ट्री सीटर का सहयोग करने वाले रवि मीना निवासी मंडेरू थाना टोडाभीम और हिमांशु मीना निवासी नांगल सुल्तानपुर को अपराधी

का सहयोग करने एवं शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस से बचने के लिए नहीं रखता था मोबाइल सिम:-

पुलिस ने बताया की हिस्ट्री सीटर सूरज उर्फ डैनी पर जयपुर सवाई माधोपुर एवं करौली जिले के विभिन्न स्थानों में दर्ज 10 मामलों में स्थाई वारंट चल रहा था, दो मामलों में फरार चल रहा था, पुलिस ने बताया की हिस्ट्री सीटर सूरज उर्फ डैनी गिरफ्तारी से बचने के लिए कोई मोबाइल सिम नहीं रखता था तथा हर 15 दिन में अपना ठिकाना बदलता रहता था। जिसके कारण वह 6 साल से पुलिस की पहुंच से दूर बना हुआ था। पुलिस टीम में थानाधिकारी महेश कुमारमीणा, एएसआई बनेसिंह, रामवीर सिंह,हेडकांस्टेबल घनश्याम, धारा सिंह, राजपाल, रामसहाय ,विक्रम, अमर सिंह, समंदर, राकेश बबलू, राजवीर सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मोहम्मद अली पठान

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के सम्बन्ध में यहां गुरूवार को नगरपालिका रतननगर के सभागार में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें तेजपाल कुम्हार वरिष्ठ अध्यापक व विजय कुमार प्राचार्य ने उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों आदि को मतदाता सूचियों में नाम जुड़वाने सम्बन्धी विभिन्न जानकारीयां देते हुए शंकाओ का समाधान किया। नगरपालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर के मुख्य आतिथ्य एवं अधिशाषी अधिकारी सुश्री संजू की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। इसका मूल उद्देश्य है कि समस्त मतदाताओं को आगामी 04 दिसम्बर 2025 तक आवश्यक रूप से गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को देने है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता से सम्पर्क कर रहे है। उन्होनें बताया कि मतदाता अंतम दिन का इंतजार नहीं करे और अतिशीघ्र गणना पत्र को सम्बन्धित बीएलओ को पहुंचायें। उन्होनें बताया कि मतदाता ऑनलाईन आसानी से अपना गणना पत्र भर सकते है। उन्होनें बताया कि देश के किसी भी राज्य में मतदाता का नाम 2002 की मतदाता सूचि में है तो वह आसानी से यहां अपना गणना पत्र भर सकता है। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर और अधिशाषी अधिकारी सुश्री संजू ने भी उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों से अपने परिवार और आसपास के सभी मतदाताओं का गणना पत्र भरवाये जाने कि अपील करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण कार्य है। इस दौरान उपाध्यक्ष असगर खां, पार्षद ओमप्रकाश जांगिड़, विजय कुमार मिश्रा, इंदु शर्मा, मोहम्मद साबीर, असगर खां भक्त, शरीफ सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

नवनिर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया का पूर्व चेयरमैन राजेंद्र भूमलिया के नेतृत्व में भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर पूर्व मंत्री व नवनिर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया का नगर पालिका बारां के पूर्व चेयरमैन राजेंद्र भूमलिया द्वारा अपने समर्थकों ओर परिवारजनों के साथ निजी आवास पर जाकर माल्यार्पण कर साफाबंदी व मुंह मीठा करवाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। विधायक प्रमोद जैन भाया ने पूर्व चेयरमैन राजेंद्र भूमलिया सहित उनके साथ आए सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव में तन - मन से सहयोग करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वागत सत्कार के दौरान युवा नेता अक्षय भूमलिया, रवि भूमलिया, याकूब कारपेंटर, रामचरण घेंघट, लालचंद तेजी, राजा पंवार, अमन भूमलिया, अजय भूमलिया, सुरेंद्र ढंडोरिया राहुल, अजय पंवार, सूरज डंगोरिया, राजू डंगोरिया, विकास तम्बोली, पूरण तेजी, संजू पंवार सहित कई पदाधिकारी ओर कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीनत खान बनी मुस्लिम महासभा की ख्वातीन विंग की जयपुर संभाग अध्यक्ष

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी, राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान ने जीनत खान को ख़्वातीन विंग की जयपुर संभाग अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। नियुक्ति आदेश जारी होते ही जयपुर संभाग सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। मुस्लिम समाज के लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे संगठन को नई ऊर्जा और दिशा देने वाला कदम बताया। जीनत खान लंबे समय से समाज सेवा, शिक्षा प्रचार प्रसार और

महिलाओं के मार्गदर्शन से जुड़ी रही है। उन्होंने सदैव समाज में एकता भाईचारा और शिक्षा के प्रसार के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी मेहनत और समर्पण को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी, राष्ट्रीय प्रभारी अमजद पठान, प्रदेश अध्यक्ष इकबाल खान भाटी व प्रदेश मीडिया प्रभारी अजीम खान चिनायटा व राष्ट्रीय महासचिव आबिद खान ने सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए कहा कि जीनत खान जैसी महिला जुझारू और ईमानदार कार्यकर्ता संगठन की रीड है। हमें विश्वास है उनके नेतृत्व में जयपुर संभाग में संगठन और अधिक मजबूत होगा।

ठेकेदार पर सड़क निर्माण कार्य में घटिया सामग्री लगाने का आरोप

हनीस खान कुतकपुर

मासलपुर (रॉयल पत्रिका) । मासलपुर तहसील के गांव चैनपुर में पीडब्ल्यूडी के द्वारा किया जा रहा सड़क निर्माण कर जोकि जाटव मोहल्ला से निकलकर करौली धौलपुर NH 11b में जाकर मिलता है । ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार के द्वारा इस सड़क निर्माण कार्य में घटिया सामग्री उपयोग में ली जा रही है। वहीं सड़क निर्माण कार्य के बाद भी नीचे की जो मिट्टी की परत है, वह साफ दिखाई दे रही है। क्योंकि ठेकेदार के द्वारा इस पर

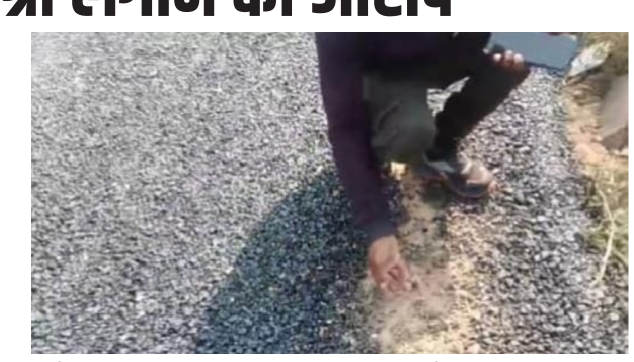

पूर्ण तरीके से माल नहीं डाला जा रहा है। इस बारे में ग्रामीण देवेंद्र ने बताया कि ठेकेदार को कई बार कहने के बाद भी ठेकेदार के द्वारा मनमानी की जा रही है और सड़क मार्ग इतना घटिया किया जा रहा है कि वह महीने भर भी नहीं चल पाएगा। पूरी गिट्टी और डामर उखाड़कर महीने भर में गड्ढों से भरी सड़क हो जाएगी।

हिण्डौन सिटी नगर परिषद् राजापुरियान का पुरा संविधान दिवस कार्यक्रम

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। भारत का 76वां राष्ट्रीय संविधान दिवस हिण्डौन सिटी के नगर परिषद् के राजापुरियान के पुरा में गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प और माल्यार्पण कर की गई, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने संविधान निर्माण में डॉ. आंबेडकर के योगदान को श्रद्धापूर्वक याद किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व छात्रसंघ महासचिव धर्मवीर गौतम ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज हम अपना 76वां राष्ट्रीय संविधान दिवस मना रहे हैं। हमारा संविधान देश का सर्वोच्च विधान है, जो हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्म और उपासना की

स्वतंत्रता, तथा अवसर की समानता प्रदान करता है। यह संविधान ही है जो भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।मुख्य अतिथि रामवीर गौतम ने सभी बच्चों को संविधान की शपथ दिलाई और कहा यह हर भारतवासी के लिए गर्व का क्षण है।इस दिन हम अपने संविधान निर्माताओं को याद करते हैं और संकल्प लेते हैं कि समता,स्वतंत्रता,न्याय और बंधुता के आधार पर समाज को और मजबूत बनाएंगे।हमारा संविधान हमें सिखाता है कि भारत का हर नागरिक समान है, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण या वर्ग का हो। सभी के अधिकार और कर्तव्य बराबर हैं। इस अवसर पर धर्मराज सैनी, अरुण कुमार, सोनू बिलोनिया, गौतम, ब्रजेश सहित कई गणमान्यजन मौजूद रहे।

हमारा युद्ध नशे के विरुद्ध पम्पलेट का किया विमोचन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पण्डित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज में ऑल युवा मुस्लिम सेवा संस्थान ने काफी दिनों से नशे के खिलाफ जिले भर में चलाए जा रहे अभियान के तहत हमारा युद्ध नशे के विरुद्ध पम्पलेट का विमोचन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. महेश मोहन पुकार ने किया। प्राचार्य डॉ. पुकार ने युवा व लोगों को नशे से दूर रहने की सलाह दी और उन्होने बताया कि नशे से शारीरिक व आर्थिक नुकासान होता है। किसी भी युवाओं को नशा नहीं करना चाहिए। संस्थान के जिलाधयक्ष संजय खान घांघू ने बताया कि यह पम्पलेट्स जिले के गांवों व शहर की गली व मोहल्ले में वितरित किए जायेंगे। पम्पलेट्स के माध्यम से लोगों को जागरूक करना है। सभी सामाजिक संगठनों को आगे आकर इस नशे की रोकथाम के लिए युवा को जागरूक करना होगा। जिलाध्यक्ष खान ने कहा कि हम इस मुहिम को जारी रखेंगे। क्योंकि आज का युवा नशे का इस तरह से आदि होता जा रहा है। अगर समय रहते नशे पर रोकथाम नहीं लगाई गई तो इसके परिणाम भयानक होंगे। इस मौके पर एडवोकेट जावेद खान, जब्बार खान अल्फखानी, यूनुस खान, निजामुद्दीन खान, मो. खुर्शीद, मो.ख़ादीम, दीपक कुमार, सब्बीर खान, मकसूद खान, अभय सिंह, आसिफ लुहार व मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

बारां में नई किरण नशा मुक्ति कार्यक्रम के तहत नशा मुक्ति हस्ताक्षर अभियान

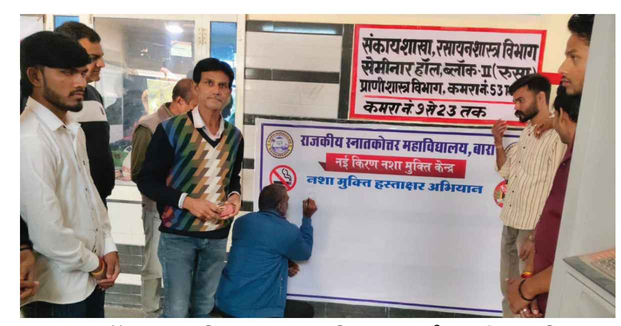

बारां (रॉयल पत्रिका) । महाविद्यालय में नई किरण नशा मुक्ति कार्यक्रम के तहत नशा मुक्ति के लिए हस्ताक्षर अभियान का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। इसमें महाविद्यालय के प्राचार्य भगवान सिंह मीणा ने नशा मुक्ति के लिए सर्वप्रथम हस्ताक्षर करके नशा मुक्ति का संकल्प लिया। अभियान का संचालन महाविद्यालय के नशा मुक्ति प्रभारी प्रो विवेक कुमार नागर ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संकाय सदस्य चतुर्भुज शर्मा, प्रो रामकेश मीना (हिन्दी), प्रो दीपक कुमार, डॉ. खुशबू नियरता, प्रो. राम कुमार मीणा, चन्द्रशेखर त्यागी, मनीष कुमार भार्गव, सुदेश कुमार शर्मा, विश्व प्रताप सिंह गुर्जर, राकेश वर्मा, सीताराम बैरवा, उपस्थित रहें। छात्र/छात्राओं ने इस हस्ताक्षर अभियान में सक्रिय भागीदारी देकर नशा मुक्त रहने का संकल्प लिया।

सड़कों पर सुरक्षित सफर के लिए बनाई रणनीति

-बालवाहिनियों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में सड़क हादसों की रोकथाम व बालवाहिनियों में सुरक्षित सफर को लेकर गुरूवार 27 नवंबर 2025 को मिनी सचिवालय सभागार में बालवाहिनी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठकें आयोजित की गई। जिसमें सड़क दुर्घटनाओं के कारणों व इनसे बचने के उपायों पर चर्चा करते हुए निर्धारित मानकों को अपनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने निजी विद्यालय संचालकों से कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को लाने ले जाने के लिए नियोजित बालवाहिनियों व अन्य वाहनों का संचालन पूरी सतर्कता के साथ किया जाना चाहिए। इसके लिए बालवाहिनियों की फिटनेस के साथ चालकों-परिचालकों की दक्षता व चरित्र का विशेष ध्यान रखा जाए। चंद रुपयों के लालच में इन वाहनों में ओवरलोडिंग करने से बचें। सड़क सुरक्षा को लेकर जो मानक निर्धारित किए गए हैं वह रिसर्च पर आधारित होते है। ऐसे में इनकी पालना पूरी गंभीरता से की जाए। जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बच्चे अनमोल धरोहर हैं जिनकी सुरक्षा हमारी सबकी जिम्मेदारी है। उनके जीवन को जोखिम में किसी भी सूरत में नहीं डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर अप्रिय घटनाएं होने की सूचनाएं मिलना चिंताजनक है। आने वाले दिनों में प्रशासन, पुलिस व परिवहन विभाग की ओर से सघन जांच कर दोषी पाए जाने वाले वाहनों व चालकों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने जिले से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर होने वाली दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को सड़क हादसों की रोकथाम के लिए ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित करने, साईनेज बोर्ड लगाने, आवारा मवेशियों को नियंत्रित करने, अतिक्रमण हटाने, अनाधिकृत कट से आवागमन रोकने, सभी कटों पर रब्बल स्ट्रिप्स लगाने सहित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने भारी वाहनों के लिए निर्धारित लेन में चलने की सुनिश्चिता करने के साथ हाइवे पर वाहनों की पार्किंग करने वाले चालकों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए भी कहा। बैठक में एडीएम भंवरलाल जनागल ने कहा कि सभी विद्यालय बालवाहिनियों का बेहतर रखरखाव करें और चालकों व परिचालकों के बारे में पूरी जानकारी रखें। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर दिशा निर्देशों की पूरी पालना की जानी चाहिए। बच्चों को वाहनों में सुरक्षित चढ़ाने व उतारने के लिए चालक व परिचालक का दायित्व निर्धारित किया जाए। जिला परिवहन अधिकारी कल्पना शर्मा ने कहा कि जिले में संचालित सभी बाल वाहिनियों का रंग सुनहरी पीला रखते हुए उनके आगे व पीछे स्कूल बस तथा साइड में बाल वाहिनी स्पष्ट रूप से अंकित किया जाए। ऑटो रिक्शा में आगे व पीछे ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा जाए। सभी वाहनों पर विद्यालय का नाम व फोन नम्बर भी अंकित हो। साथ ही हेल्पलाइन नम्बर का स्टीकर भी लगवाया जाए। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा के लिए ऑटो के स्थान पर बस का उपयोग करने की समझाइश की जाए। इन सभी वाहनों में अनिवार्य रूप से जीपीएस लगाकर मॉनिटरिंग की जाए। वाहन से संबंधित सभी दस्तावेज दुरुस्त रखे जाएं। चालक व परिचालक निर्धारित वर्दी पहनकर ही वाहन चलाएं। नशा करने वाले चालक व परिचालकों को नहीं रखा जाए। चालकों के नेत्रों की समय पर जांच हो। साथ ही बालवाहिनियों का अन्य व्यावसायिक उपयोग करने से बचें। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं के कारणों व उनके निवारण पर भी विचार विमर्श करते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस दौरान एनएचएआई व पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों के अधिकारी तथा जिले के विद्यालय संचालक उपस्थित थे।

पीएम आवास और स्वनिधि योजना की प्रगति की जिला कलक्टर ने ली समीक्षा बैठक

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कलक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें नगरपालिकावार वर्तमान में आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी लेकर, लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के फेज द्वितीय के तहत प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या की जानकारी ली और अधिकारियों को लंबित आवेदनों के निस्तारण की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृति योग्य आवेदनों को शीघ्र स्वीकृत करवाकर आवेदकों को लाभ पहुँचाना सुनिश्चित किया जाएं। जिला कलक्टर ने कहा कि यदि कोई लाभार्थी किश्त जारी होने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं करवाता है तो उसके खिलाफ

विभागीय नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। बैठक में स्वनिधि योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर दिया गया। उन्होंनि संबंधित बैंकों से आपसी समन्वय बनाकर अधिकाधिक पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिलाने को सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने नगरपालिकावार स्वनिधि योजना के तहत लक्ष्य निर्धारित करते हुए, इन लक्ष्यों को शत प्रतिशत अर्जित करने के निर्देश दिए। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि योजना में प्राप्त आवेदनों को नियमित रूप से पोर्टल पर अपलोड किया जाएं। इसके अतिरिक्त, बैठक में जिला कलक्टर ने पिंक टॉयलेट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, और डोर टू डोर कचरा संग्रहण की प्रगति और व्यवस्थाओं के बारे में आवश्यक जानकारी ली। बैठक में नगर परिषद आयुक्त धर्मेन्द्र मीणा सहित विभिन्न नगरपालिकाओं के अधिशाषी अधिकारी मौजूद रहें।

संविधान दिवस के उपलक्ष्य में कृषि विज्ञान केंद्र में गोष्ठी हुई आयोजित

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्र के कीट वैज्ञानिक प्रोफेसर हरीश वर्मा ने संविधान उद्देशिका का वाचन करते हुए बताया कि संविधान से हम समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समानता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर रहने की प्रेरणा मिलती हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि संविधान दिवस का उद्देश्य संविधान की सोच, संवैधानिक

सिद्धांतों और नागरिक कर्त्तव्यों के प्रति जन-जागरुकता बढ़ाना है। संविधान केवल सरकार का ढांचा तय नहीं करता, बल्कि नागरिकों के अधिकारों, स्वतंत्रताओं और गरिमा की भी रक्षा करता हैं। यह दिवस हमें लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने और संवैधानिक मूल्यों को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा देता है। संविधान दिवस हमें यह सीख देता है कि भले ही लोकतंत्र मतपत्र से बनता है, परन्तु हमारा देश जागरुकता, कर्त्तव्यपरायणता और संवैधानिक मूल्यों से चलता हैं। इसमें बून्दी जिले की 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान केन्द्र के फार्म मेनेजर महेन्द्र चौधरी, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता डॉ. दीपक कुमार, विकास ताखर, लोकेश प्रजापत, विजेन्द्र वर्मा एवं रामप्रसाद मौजूद रहें।

संविधान दिवस यानि देश की जनता का पर्वरू - न्यायाधीश भाटी

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी, द्वारा इमानुअल मिशन उच्च माध्यमिक विद्यालय पाली में संविधान दिवस के अवसर पर संविधान दिवस समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन मांगीलाल तंवर अधिकार मित्र द्वारा किया गया। विक्रम सिंह भाटी ने बताया कि 26 नवम्बर 1949 के दिन भारत ने संविधान को अंगीकृत किया था। इस दिवस का उद्देश्य देश के नागरिकों में संवैधा.निक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा देना है। हर भारतीय के लिए उक्त दिवस बेहद गर्व का दिन है तथा संविधान ही है जो हमें एक आजाद देश के आजाद नागरिक की भावना का एहसास कराता है। आज का दिन देश में संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। भाटी द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आयाम, नालसा हेल्पलाइन नम्बर, नालसा पोर्टल, निःशुल्क विधिक सहायता एवं इसकी पात्रता, पीड़ित प्रतिकर स्कीम एवं इसकी पात्रता आदि के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी तथा भाटी द्वारा भारतीय संविधान की "प्रस्तावना" का सामूहिक वाचन कराया गया।

सचिव भाटी ने बताया कि आमजन की शिकायतों एवं विवादों के शीघ्र प्रभावी नि.राकरण के उद्देश्य से माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के तत्वाधान में एक राज्यव्यापी विशेष अभियान "न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान" प्रारम्भ किया गया है। यदि कोई सरकारी उपक्रम या जनोपयोगी सेवा अपनी कर्तव्य पालना में असफल रहता है तो स्थायी लोक अदालत आम आदमी के लिए न्याय का सरल एवं सस्ता उपाय है। उक्त अभियान के तहत जनोपयागी सेवाएं यथा बिजली, पानी, परिवहन, बैंकिंग एवं बीमा, नगर निकाय, स्वास्थ्य सेवाएं, शैक्षिक/शैक्षणिक सेवाएं, आवास एवं भू-सम्पदा सेवाएं, एलपीजी सेवा आदि से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई स्थायी लोक अदालत में निःशुल्क होगी। उक्त अभियान के दौरान विहित प्रारूप अथवा सरल हस्तलिखित प्रार्थना-पत्र, रालसा के समर्पित मोबाईल नंबर 9119365734 पर सीधे व्हाट्सएप पर प्रेषित किए जा सकेंगे। इसके साथ ही बच्चों में संवैधानिक, संसदीय प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली के बारे में समझ बढ़ाने के उद्देश्य से माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार बाल संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा शिक्षा का अधिकार के विषय पर बाल संसद के एक मॉक सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के विधिक साक्षरता क्लब के अध्यक्ष नरोत्तम राजपुरोहित, रतनलाल, कीर्ति पारख तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहें। वहीं बाल संसद कार्यक्रम में संसद की अध्यक्षता महिमा परमार ने की।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती में 61 का हुआ चयन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिले के युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती शिविर में 61 युवाओं का चयन किया गया है। कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) ने बताया कि सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती चयन परीक्षा ग्रामीण एवं शहरी शिक्षित बेरोजगार युवाओं का अजमेर जिले में तहसील स्तर पर भर्ती चयन परीक्षा आयोजन किया जा रहा है। बुधवार 26 नवम्बर को राजकीय महिला आईटीआई अजमेर में किया गया। इसमें 175 युवाओं ने भाग लिया। मापदंड के आधार पर नीमच से आए भर्त अधिकारी महिपाल सिंह सिनसिनवार ने 61 युवाओं का चयन किया। वरिष्ठ भर्ती अधिकारी महिपाल सिंह एवं सहायक भर्ती अधिकारी रामेश्वर लाल प्रजापती ने बताया कि शारीरिक मापदंड के अनुसार शिविर आयोजित किए जा रहे है। सम्बन्धित आईटीआई में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक भर्ती परीक्षा का आयोजन रहेगा। अभ्यार्थी की लम्बाई 168, वजन 56 किलो से 90 किलो तक, उम्र 19 वर्ष से 40 वर्ष तक तथा 80-85 सीना वाले दसवीं उत्तीर्ण, अनुर्तीण एवं ग्रेजुएट भाग ले सकते है। जिले में एवं जिले के बाहर काम करने के इच्छुक चयनित उम्मीदवार को फिजिकल के बाद रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसमें एक माह के प्रशिक्षण के बाद 65 साल तक नौकरी दी जाएगी। वेतन सुरक्षा जवान के लिए 14 हजार से 24 हजार तक, सुरक्षा सुपरवाईजर के लिए 15 हजार से 35 हजार तक तथा सुरक्षा अधिकारी के लिए 27 हजार से 35 हजार तक एवं अन्य सुविधाएं जैसे पीएफ पेंशन, ग्रेज्युटी, बीमा, सालाना वेतन वृद्धि, आवास एवं मैस की सुविधा 100 प्रतिशत जोब में रहेगी। प्रशिक्षण के बाद भारत सरकार औद्योगिक क्षेत्र इण्डस्ट्रीयल एरिया, मल्टीनेशनल क्षेत्र, चित्तौडगढ़ किला, कुम्भलगढ़ किला, मैट्रो हवाई अड्डा, बंदरगाह क्षेत्रों में नियुक्ति दी जाएगी। अधिकारी जानकारी के लिए वेबसाईट www.ssciindia.com एवं मोबाईल नंबर 8619863856 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ का जिला कलक्टर मंत्री द्वारा सम्मानित

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत परिगणना प्रपत्रों के शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पाली जिले के बीएलओ को मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर एलएन मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी मंत्री ने बीएलओ नंदेश कुमार (बाली), रूपसिंह गोयल (पाली), इकबाल मोहम्मद (सुमेरपुर), अंकुश सुधार (सोजत), जवाहरलाल (सोजत), नवीन राजपुरोहित (सोजत), प्रकाशचन्द्र मेवाड़ा (सोजत), ओमप्रकाश विश्नोई (पाली), विक्रम सिंह (पाली), नरसिंहराम (पाली), सुरेन्द्र सिंह (मारवाड़ जंक्शन), सरेन्द्र कुमार लौहार, बाबूलाल मेघवाल (मारवाड़ जंक्शन),

हजारीसिंह (मारवाड़ जंक्शन), गिरधारी सिंह (मारवाड़ जंक्शन), रगाराम भटनागर (मारवाड़ जंक्शन), प्रेमसिंह पेमावत (बाली), लालचन्द मीणा (बाली), गोविन्दसिंह सिन्दल (सुमेरपुर), महेश कुमार वैष्णव (सुमेरपुर) को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बीएलओ द्वारा समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य कर पुनरीक्षण प्रक्रिया को गति प्रदान की गई है। उन्होंने बेहतर कार्य के लिए सभी बीएलओ का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. बजरंग सिंह, नोडल अधिकारी (स्वीप) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मुकेश चौधरी, जिला स्वीप समन्वयक गजेन्द्र सिंह नारलाई, तथा बीएलओ सहायक सत्यनारायण शर्मा उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 7 बीएलओ सम्मानित

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने बढ़ाया मनोबल

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। संविधान दिवस पर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदाता सूचियों के अद्यतन एवं शुद्धता के लिए चलाए जा रहे हैं विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया गया। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. खुशाल यादव ने कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान एसआईआर में शत प्रतिशत ईएफ डिजिटाइज करने वाले 7 बीएलओ और 1 सुपरवाइजर को प्रशस्ति—पत्र प्रदान किए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति—पत्र से विधानसभा हनुमानगढ़ से — राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय 32 एसएसबल्यू भाग संख्या 215 के बीएलओ मयंक शर्मा, राजकीय प्राथमिक विद्यालय 23 MMK मानुका भाग संख्या 11 के खुशदीप सिंह बीएलओ को सम्मानित किया

गया। विधानसभा संगरिया के डबली कलां सुपरवाइज़र भूप सिंह पुनिया, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ढाणी इंद्रगढ़ भाग संख्या 28 बीएलओ लखवीर सिंह, टिब्बी भाग संख्या 199 से अनिल बैरवाल को भी जिल निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर सम्मान मिला। विधानसभा हनुमानगढ़ से— राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय 26 SSW के भाग संख्या 196 के बीएलओ सरनदीप सिंह, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानुका के भाग संख्या 12 के बीएलओ बलजिंदर सिंह, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डब्बरवाला खुंजा भाग संख्या 64 से राजेश कुमार को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. खुशाल यादव द्वारा सम्मानित किया गया। डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि बीएलओ लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रीढ़ होते हैं और मतदाता सूची का सही व पारदर्शी पुनरीक्षण उन्हीं के समर्पित कार्य के कारण संभव हो पाता है। उन्होंने सभी बीएलओ को SIR 2026 अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर पीलीबंगा विधायक विनोद गोठवाल, एडीएम उम्मेदी लाल मीना, एसएसपी अरविंद बिश्नोई, एसडीएम मांगीलाल सुथार भी मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर विधि महाविद्यालयों में बाल संसद का आयोजन

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रेषित स्टेट एक्शन प्लान की पालना में तनवीर चौधरी, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हनुमानगढ़ के निर्देशन में श्रीमती सुनीता बेड़ा सज्जन, लिंक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा स्वामी खुशालदास विश्वविद्यालय में 26 नवम्बर 2025 को संविधान दिवस के अवसर पर बाल संसद का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत श्रीमती सुनीता बेड़ा सज्जन द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। उक्त कार्यक्रम में सुश्री मीनाक्षी अग्रवाल, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हनुमानगढ़ द्वारा उपस्थित विद्यार्थीयों को संविधान का महत्व बताते हुए उन्हें मूल अधिकारों, नीति निर्देशक तत्वों व मौलिक कर्तव्यों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिकरण की दिशा में बने कानूनों पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए उपस्थित छात्राओं

को पुरूषों के समान समाज में प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। सुदर्शन पुरोहित, प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी द्वारा विद्यार्थीयों को विधि एवं संविधान का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षकों एवं विद्यार्थीयों को संविधान का अध्ययन कर समाज के अन्य नागरिकों को संविधान के प्रति जागरूकता लाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उक्त कार्यक्रम के पश्चात बाल संसद का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थीयों ने सर्वप्रथम प्रस्तावना का सामूहिक पाठन करते हुए समान नागरिक संहिता व लैंगिक समानता पर संवाद किया। कार्यक्रम के समापन में विक्रम सिंह, विभागाध्यक्ष, विधि विभाग स्वामी खुशालदास विश्वविद्यालय हनुमानगढ़ ने अतिथिगण को तुलसी का पौधा देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके अतिरिक्त, माननीय रालसा के निर्देशानुसार चीफ एलएडीसी अधिवक्ता ऋषीराज बेनीवाल, डिप्टी एलएडीसी अधिवक्ता हरीश जोशी द्वारा राजकीय नेहरू मेमोरियल विधि कॉलेज में भी बाल संसद का आयोजन किया गया।

गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर में दो दिवसीय पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग कोर्स का सफल आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर का ऑर्थोपेडिक्स विभाग एवं बॉम्बे ऑर्थोपेडिक सोसाइटी (BOS) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग कोर्स का सफल आयोजन गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर में किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान के 72 पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों सहित देशभर से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गीतांजली ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने बताया कि पोस्टग्रेजुएट टीचिंग में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर करते रहेंगे ताकि भावी पीढ़ी के चिकित्सक पूर्ण रूप से पारंगत हो आधुनिक तकनीकों का प्रयोग सीखकर

भविष्य में ज़रूरत पड़ने पर रोगियों को उन्नत उपचार दे सके| गीतांजली हॉस्पिटल के वरिष्ठ ओर्थपेडीक सर्जन डॉ. हरप्रीत सिंह व डॉ. रामावतार सैनी ने बताया कि ऑर्थोपेडिक्स से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं उपयोगी अकादमिक सत्र प्रस्तुत किए, जिनसे प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकों और नवीन चिकित्सीय विधियों की गहन जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्रों के साथ विचार-विमर्श, केस डिस्कशन एवं इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया गया, जिससे उनकी क्लिनिकल समझ एवं व्यावहारिक ज्ञान में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

जिला उद्यानिकी विकास समिति (DHDS) की बैठक आयोजित

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला उद्यानिकी विकास समिति (DHDS) की त्रैमासिक बैठक जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष डीएचडीएस आलोक रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को जिला परिषद के ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में आयोजित की गई। बैठक में उपनिदेशक उद्यान डॉ. शंकर लाल जाट ने विभागीय योजनाओं राष्ट्रीय बागवानी मिशन, पीएम कुसुम एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में आवंटित लक्ष्यों के विरूद्ध की गई प्रगति से अवगत कराया। बैठक में जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि उद्यानिकी फसलों के बढते महत्व एवं कृषकों की आय बढाने के लिये जिले में उद्यानिकी गतिविधियों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर कृषकों को लाभान्वित करावें। साथ ही निर्देशित किया कि कृषकों के उत्पाद को उचित मूल्य मिले इस हेतु विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षणों/ सेमीनार/ कृषक गोष्ठीयों मे जिले के पास स्थित मण्डीयों के बारे में विस्तृत जानकारी की जाये ताकि अच्छा मूल्य प्राप्त हो सके एवं उनको प्रसंस्करण हेतु भी प्रेरित किया जाये। उन्होंने पीएम कुसुम योजना में सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र स्थापना हेतु अधिक से अधिक किसानों को प्रेरित करें एवं किसानों को ड्रिप, स्प्रिंकलर, मिनी स्प्रिंकलर से अधिक से अधिक अनुदान से लाभान्वित करने के लिए निर्देश दिए। बैठक में दिनेश कुमार जागा संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार), डॉ. रतन लाल सोंलकी वरिष्ठ वैज्ञानिक, राज कुमार शर्मा अधिशाषी अभियन्ता, डॉ. हरिश कुमार टांक उपनिदेशक (आत्मा), रमेश आमेटा उपनिदेशक अनुसंधान, यतेन्द्र कुमार जैन मुख्य प्रबंधक केन्द्रिय सहाकारी बैंक, जोगेन्द्र सिंह राणावत, शंकर लाल जाट, अंशु चौधरी सहायक निदेशक, गोपाल लाल धाकड़, जसवंत कुमार जाटोलिया कृषि अधिकारी, विक्रम सिंह कृषि अनुसंधान अधिकारी अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थति रहे।

शिक्षा निदेशक जाट ने विभिन्न स्कूलों का किया निरीक्षण

-परीक्षा कार्य गंभीरता से नहीं करने पर दो शिक्षकों को नोटिस के निर्देश

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। माध्यमिक और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीता राम जाट ने बुधवार को विभिन्न विद्यालयों में राज्य स्तरीय समान परीक्षा का औचक निरीक्षण किया। पलाना के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ अध्यापक अमित कुमार और उप प्राचार्य राजन कुमार बगेरिया को शैक्षणिक और परीक्षा कार्य को गंभीरता से नहीं लेने और पर्यवेक्षणीय उदासीनता के कारण जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक को दोनों कार्मिकों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। पलाना के ही राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में परीक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। शिक्षा निदेशक जाट ने सभी परीक्षा प्रभारियों और संस्था प्रधानों को पूर्ण गंभीरता और प्रभावी ढंग से कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसरों में साफ-सफाई बनाए रखें। समान परीक्षा में अनुपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों से व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क कर उनसे अनुपस्थिति का कारण जानने और सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) किशन दान चारण साथ रहे।

किसानों को फसल खराबे का मिले उचित मुआवजा - जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। फसल बीमा योजना, पशु बीमा एवं सबको बीमा अभियान 2047 के संबंध में बुधवार को जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जिला कलक्टर ने सरकार के विजन के अनुसार सबको बीमा अभियान 2047 के अन्तर्गत बीमा करवाने की योजना के लिए धरातल पर सभी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने पशुपालन विभाग द्वारा जिले के पशुओं के किए जा रहे बीमा के बारे में जानकारी प्राप्त कर 1 दिसम्बर से 31 मार्च, 2026 तक पशु बीमा के लिए आयोजित होने वाले कैम्पों में पशुपालकों के सभी पशुओं को चिन्हित कर बीमा करवाने के निर्देश पशुपालन विभाग के अधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होंने विगत वर्ष में किए गए पशुबीमा के लंबित आवेदनों के क्लेम को शीघ्र निस्तारण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पशु बीमा क्लेम के प्राप्त आवेदनों का निस्तारण 7 दिन की अवधि करना सुनिश्चित करें। बैठक में कलक्टर ने खरीफ एवं रबी की फसल में फसल बीमा योजना अन्तर्गत अधिक से अधिक किसानों की फसलों का बीमा करवाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की फसलों को प्राकृतिक हानियों से मिलने वाले बीमा राशि का भुगतान उनके खाते में समयावधि में ही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन पटवारियों एवं कृषि पर्यवेक्षकों द्वारा फसल बीमा के संबंध में क्रॉप कटिंग के फोटो गलत अपलोड करने वाले पटवारियों एवं कृषि पर्यवेक्षकों की सूची तैयार कर उनके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशानुरूप किसानों को उनकी फसल खराबे का उचित मुआवजा समयबद्ध मिलना चाहिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार राकेश कुमार अटल सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पानी फाउंडेशन अगत्सु फाउंडेशन: समुदाय और ज्ञान के लिए खान परिवार की खास दौड़

इस जनवरी में, खान परिवार मुंबई की सड़कों पर एक मिशन के साथ उतरेगा। टाटा मुंबई मैराथन 2026 में, हर कोई अपनी रफ्तार से, लेकिन एक ही उद्देश्य के साथ होम रन स्क्वॉड के रूप में दौड़ेंगे। आमिर खान, किरण राव, आज़ाद राव खान और इरा खान ड्रीम रन (5.9 च) में भाग लेंगे, जुनैद खान ओपन 10 च दौड़ेंगे, और नूपुर शिखरे 42 च फुल मैराथन में दौड़ेंगे। उनकी दौड़ पानी फाउंडेशन और अगत्सु फाउंडेशन का समर्थन करती है, ये दोनों संगठन एक साझा विचारधारा से जुड़ी हैं: बदलाव की शुरुआत समुदाय और ज्ञान से होती है। आमिर खान और किरण राव द्वारा स्थापित पानी फाउंडेशन ने महाराष्ट्र के सूखे प्रभावित गांवों को प्रशिक्षण, विज्ञान और टीमवर्क के माध्यम से बदल दिया है। 2016 में सत्यदेव जयते वॉटर कप से शुरू हुआ और एक 45-दिन की प्रतियोगिता जिसने गांवों को पानी बचाने के तरीके सिखाए और आज यह सीखने और आत्मनिर्भर बनने की एक पूरी मुहिम बन चुकी है। संगठन की चल रही फार्मर कप योजना भी खेती के टिकाऊ तरीके को अपनाती है और दिखाती है कि जब लोग मिलकर समझें और काम करें, तो सब ज्यादा सशक्त बनते हैं। ईरा खान की बनाई अगत्सु फाउंडेशन मानसिक स्वास्थ्य को सभी के लिए आसान और सस्ता बनाती है। बांद्रा में इसका मुफ्त कम्युनिटी सेंटर और सस्ती थेरेपी क्लिनिक है। इसके प्रोग्राम साइकोलॉजी को सरल भाषा में समझाते हैं। अगत्सु लोगों को भावनाओं को संभालना, दूसरों से जुड़ना और खुद पर भरोसा करना सिखाता है।

अर्जुन रामपाल

मिलिट्री बैकग्राउंड से, नाना थे ब्रिगेडियर, नैशनल अवॉर्ड विनर के लिए घर खर्च चलाना भी था मुश्किल

'धुरंधर' एक्टर अर्जुन रामपाल बॉलीवुड के सबसे हैंडसम एक्टर्स में से एक गिने जाते हैं। नैशनल अवॉर्ड विनर रह चुके अर्जुन रामपाल मिलिट्री बैकग्राउंड से आते हैं। भारतीय सेना के लिए पहली आर्टिलरी गन डिजाइन करने वाली टीम का हिस्सा थे उनके नाना जी। मॉडलिंग में नाम बनाने के बावजूद हैंडसम दिखने वाले अर्जुन के लिए कभी घर के खर्च चला पाना मुश्किल हो गया था बॉलीवुड में कई ऐसे सितारे रहे हैं, जिन्हें देखकर कोई भी पहली नजर में यही कहेगा कि उनकी जिंदगी शुरू से ही चमक और शोहरत से भरी रही होगी। अर्जुन रामपाल भी ऐसे ही चेहरों में से एक गिने जाते हैं। उनकी मॉडल जैसी पर्सनैलिटी देखकर हर किसी को यही लग सकता है कि उनकी फिल्मी जर्नी आसान रही होगी। लेकिन, असलियत इससे बिल्कुल अलग है और संभव है कि कइयों को इस बारे में पता भी न हो। शुरुआत में अर्जुन को ऐसे दौर से गुजरना पड़ा, जब उनके लिए घर का रोजमर्रा का खर्च चलाना भी काफी मुश्किल हो जाता था। यह स्ट्रगल उनकी जिंदगी का ऐसा पहलू है, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

डोनल बिष्ट

का गुस्सा सातवें आसमान पर

एक्ट्रेस डोनल बिष्ट और अभिषेक बजाज को लेकर सोशल मीडिया पर तमाम तरह की अफवाह चल रही है। दावा किया जा रहा है कि डोनल की वजह से ही अभिषेक और आकांक्षा जिंदल की शादी टूटी, अब इस पर एक्ट्रेस ने पलटवार किया है। डोनल ने बेहूदा बकवास बातों पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। डोनल बिष्ट का गुस्सा सातवें आसमान पर, अभिषेक बजाज का

अभिषेक बजाज का 'घर तोड़ने' के दावों पर भड़कीं, कोर्ट केस की चेतावनी

'घर तोड़ने' के दावों पर भड़कीं, कोर्ट केस की चेतावनी टीवी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 15' फेम डोनल बिष्ट का गुस्सा सातवें आसमान पर है। बीते दिनों सोशल मीडिया पर उनका नाम 'बिग बॉस 19' फेम अभिषेक बजाज के साथ जोड़ा गया। कई ऐसे पोस्ट्स में दावे किए गए कि डोनल औरअभिषेक बजाज एक वक्त पर डेटिंग कर रहे थे। इन अफवाहों की लहर तब बढ़ गई, जब बीते दिनों 'बिग बॉस 19' में अभिषेक बजाज और आकांक्षा जिंदल की शादी चर्चा में आई। सोशल मीडिया पर यह दावे किए गए कि इस रिश्ते के टूटने की वजह डोनल बिष्ट थीं, क्योंकि उन दिनों शादीशुदा अभिषेक बजाज के साथ उनका अफेयर था। हालांकि, ऐसे दावों की कहीं कोई पुष्टि नहीं हुई। अब डोनल बिष्ट ने इस पूरे विवाद पर ना सिर्फ चुप्पी तोड़ी है, बल्कि सीधे-सीधे चेतावनी दे दी कि वह ऐसी घटिया बातें करने वालों को कोर्ट में घसीटेंगी। अफवाहों का यह दौर ऐसे समय में ही आया है, जब डोनल बिष्ट और अभिषेक बजाज, दोनों ने ही कई साल पहले पब्लिकली यह साफ किया था कि वे रिलेशनशिप में नहीं हैं। बावजूद इसके, झूठी बातें और दावों के फैलने से डोनल परेशान हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट किया है।

कैफे पर गोलीबारी की घटना के बाद और ज्यादा लोग आए: कपिल शर्मा

हास्य अभिनेता कपिल शर्मा ने बुधवार को कहा कि कनाडा के सरे में उनके कैफे पर गोलीबारी की तीन घटनाओं ने अधिकारियों को देश में ऐसे हमलों के खिलाफ कार्वाई करने पर मजबूर कर दिया है। शर्मा के कैप्स कैफे , जो जुलाई में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में खुला था, को सबसे पहले 10 जुलाई को अज्ञात लोगों ने निशाना बनाया, उसके बाद सात अगस्त और 16 अक्टूबर को कैफे पर दो और हमले हुए। इन घटनाओं में कोई घायल नहीं हुआ और किसी भी समूह ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। शर्मा की आने वाली नई फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर उनसे गोलीबारी की घटना के बारे में पूछा गया। शर्मा ने कहा, मुझे लगता है कि वहां के नियम और पुलिस के पास शायद (ऐसी घटनाओं को) नियंत्रित करने की शक्ति नहीं है। लेकिन जब हमारा मामला हुआ, तो यह संघीय सरकार के पास गया और कनाडा की संसद में इस पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, असल में, गोलीबारी की हर घटना के बाद, हमारे कैफे में ज्यादा संख्या में लोग आए। इसलिए अगर भगवान मेरे साथ हैं तो सब ठीक है। शर्मा ने कहा कि हमलों के बाद कई लोगों ने उनसे संपर्क किया।

श्रद्धा कपूर के भाई से पांच घंटे की पूछताछ!

अंडरवर्ल्ड ड्रग्स केस में सिद्धांत कपूर का नाम, एक्शन में मुंबई पुलिस

अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता शक्ति कपूर के पुत्र और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत अपना बयान दर्ज कराने के लिए यहां मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) की घाटकोपर इकाई में पहुंचे। श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर एक बार फिर भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल ड्रग ज़ब्ती केस की वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। एक्टर-डायरेक्टर घाटकोपर में मुंबई के एंटी-नारकोटिक्स सेल के सामने पेश हुए, जहाँ उनसे घंटों पूछताछ हुई, क्योंकि कथित तौर पर एक मुख्य आरोपी से पूछताछ के दौरान उनका नाम सामने आया था। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता शक्ति कपूर के पुत्र और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत अपना बयान दर्ज कराने के लिए यहां मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) की घाटकोपर इकाई में पहुंचे। अधिकारियों ने अधिक जानकारी दिए बिना बताया कि अभिनेता-निर्देशक से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्हें जाने दिया गया।

उर्वशी रौतेला

ग्लोबल सुपरस्टार, इंटरनेट पर छा गईं

उर्वशी रौतेला ने एक बार फिर कमाल कर दिया – इस ग्लोबल सुपरस्टार ने इंटरनेट पर ऐसा तूफ़ान मचा दिया है कि सोशल मीडिया पूरी तरह हिल गया है। लेकिन जो बात उतनी ही सुर्खियाँ बटोर रही है, वह है कलाकार ढिल्लों का इस वायरल लहर को खुलकर पसंद करना। पिछले 24 घंटों में उर्वशी के क्लिप्स और तस्वीरें हर प्लेटफ़ॉर्म पर छा गई हैं – इंस्टाग्राम रील्स से लेकर फैन एडिट्स तक, और एक्स पर फैन अकाउंट्स उनकी लुक को लगातार पोस्ट कर रहे हैं। एंगेजमेंट बेहतरीन रहाः लाखों व्यूज़, हजारों कमेंट्स, और कमेंट सेक्शन में दिल, आग वाले इमोजी और फैंस का उन्हें '2025 की इंटरनेट क्वीन' घोषित करना। और इसी वायरल तूफ़ान के बीच नज़र आए,क्कढिल्लों, जिन्होंने इस क्रेज़ को खुलकर सराहा। अपने कूल और लो-की सोशल प्रेज़ेंस के लिए जाने जाने वाले,क्कका ये रिएक्शन पहले से ही धधक रहे पलों में और ईंधन डाल गया। फैंस ने तुरंत इसे पकड़ लिया – AP को भी पसंद आया! ', 'सबकी फ़ेवरेट है ' 'जब AP ढिल्लों नोटिस कर लें, तो समझो मामला बड़ा है। 'सबसे खास बात थी उस पल की असली ऊर्जा। उर्वशी ने न तो कोई शॉक वैल्यू बनाई और न ही जानबूझकर शोर मचाया – वह बस खुद थीं: आत्मविश्वासी, ग्लैमरस और बेझिझक आइकॉनिक। बाकी काम इंटरनेट ने कर दिया। फैंस ने उनकी लुक को ट्रेंड बना दिया, क्रिएटर्स ने एडिट्स बनाए, और AP का रिएक्शन इस सांस्कृतिक पल पर चेरी ऑन द टॉप बन गया।

कैमरा चालू होते ही धर्मेंद्र बदल जाते थे : श्रीराम राघवन

फिल्म निर्देशक श्रीराम राघवन और अभिनेता धर्मेंद्र दोनों ही जॉनी गद्दार के बाद एक साथ काम करने के इच्छुक थे और इसी के बाद इक्कीस बनी जो धर्मेंद्र के करियर की अंतिम फिल्म साबित हुई। राघवन का कहना है कि धर्मेंद्र ने इस युद्ध ड्रामा में बेहतरीन काम किया।दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का सोमवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया।राघवन के लिए यह एक व्यक्तिगत क्षति है, जिन्होंने धर्मेंद्र की फिल्में देखते हुए अपना बचपन बिताया है। उन्होंने बताया कि इक्कीस का पोस्टर जारी करने के बाद धर्मेंद्र से जो प्यार मिला, उससे टीम खुश थी, लेकिन कुछ समय बाद ही उनके निधन की खबर आ गई। पीटीआई-भाषा को दिए एक विशेष साक्षात्कार में राघवन ने कहा जब मेरी फ्लाइट मुंबई उतरी तो मेरे निर्माता ने मुझे फोन किया और हम सीधे श्मशान घाट गए। रात में अचानक यह सब, आपको अभिभूत कर देता है।यह पूछे जाने पर कि क्या इक्कीस धर्मेंद्र को एक उपयुक्त श्रद्धांजलि होगी? निर्देशक ने उम्मीद जताई कि यह सबके लिए एक यादगार साबित होगी। उन्होंने कहा, उनकी भूमिका काफी अहम है, यह फिल्म में बहुत महत्वपूर्ण है। वह एक बेहतरीन अभिनेता थे और उन्होंने फिल्म में अद्भुत काम किया है।राघवन ने याद किया उन्हें (धर्मेंद्र को) बस कैमरे के सामने रहना पसंद था। जॉनी गद्दार के दौरान वह पूरी तरह जोश से भरे रहते थे। इक्कीस में भी ऐसा ही था। वह थोड़े थके हुए दिखते थे लेकिन कैमरा शुरू होते ही अचानक उनका दूसरा रूप सामने आ जाता था। धर्मेंद्र के प्रशंसक राघवन ने बताया कि उन्होंने जॉनी गद्दार में उनकी पुरानी फिल्मों के गाने जोड़कर अभिनेता के योगदान को याद किया। राघवन को आज भी याद है कि 2007 में जॉनी गद्दार के लिए धर्मेंद्र से संपर्क करते समय वह कितने घबराए हुए थे। राघवन ने याद किया कि धर्मेंद्र ने जॉनी गद्दार के दूसरे भाग में कुछ बदलाव सुझाए थे और संवादों में भी योगदान दिया था।

(साभार एजेंसी)

भारत की गुवाहाटी में 408 रनों से शर्मनाक हार

साइमन हार्मर का 'छक्का', साउथ अफ्रीका ने 25 साल बाद किया व्हाइटवॉश

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में हुआ दूसरा टेस्ट भी साउथ अफ्रीका की टीम ने जीत लिया। भारत के सामने 549 रनों का टारगेट था. लेकिन भारतीय टीम मैच के पांचवें दिन महज 140 रनों पर सिमट गई. टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली साउथ अफ्रीकी टीम ने भारत को 408 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की. जो भारत की टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार रही.

मेहमान टीम ने पहली पारी में 489 रन बनाए और दूसरी पारी में 260/5 पर पारी घोषित कर दी. इसके बाद भारत के सामने 549 रन का विशाल लक्ष्य था. भारतीय टीम दबाव में टूट गई और पहली पारी में सिर्फ 201 तथा दूसरी पारी में 140 रन ही बना सकी. अफ्रीका के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में भारतीय बल्लेबाज़ों को जमने नहीं दिया. दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर ने 6 विकेट झटके और मैच में 9 विकेट झटके. साल 2000 में हैंसी क्रोनिए के नेतृत्व में साउथ अफ्रीका ने भारत को 2-0 से हराकर घरेलू टेस्ट सीरीज में व्हाइटवॉश किया था. वहीं अफ्रीकी टीम ने तब आखिरी बार भारत में सीरीज भी जीती थी. तब पहला मैच मुंबई में हुआ जिसे अफ्रीकी टीम ने 4 विकेट से जीता. वहीं दूसरा टेस्ट मैच बेंगलुरु में हुआ, जिसे तब प्रोटियाज टीम ने एक पारी और 71 रन से जीता था. ऐसे में टेम्बा बावुमा ने कोलकाता और अब गुवाहाटी टेस्ट जीतकर हैंसी क्रोनिए के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली और सीरीज में भारत का सूपड़ा साफ किया. ध्यान रहे साउथ अफ्रीका की टीम ने कोलकाता टेस्ट 30 रनों से जीता था.

भारत की दूसरी पारी की हाइलाइट्स

भारत की दूसरी पारी में भी शुरुआत खराब रही. यशस्वी जायसवाल (13) सस्ते में लौटे, मार्को जानसेन की गेंद पर विकेटकीपर काइल वेरेने ने कैच लपका. कुछ देर बाद केएल राहुल (6) भी साइमन हार्मर की गेंद पर बोल्ड हो गए. पांचवें दिन भारत ने 27/2 के स्कोरकार्ड से बल्लेबाजी करनी शुरू की. लेकिन स्कोरकार्ड में 13 रन और जुड़े और कुलदीप यादव 5 रन पर साइमन हार्मर की गेंद पर बोल्ड हो गए. इसी ओवर (24वें) में ध्रुव जुरेल भी आउट हुए. इसके बाद भारतीय कप्तान पंत ने थोड़े तेवर दिखाए और एक चौका और छक्का जड़कर टीम का स्कोर 58 तक ले गए, लेकिन वो भी हार्मर की गेंद पर मिले एक्स्ट्रा बाउंस पर एडेन मारक्रम को 13 रन पर कैच थमा बैठे. टी ब्रेक के बाद साई सुदर्शन का धैर्य भी जवाब दे गया और वो 139 गेंदों पर 14 रन बनाकर सेनुरन मुथुसामी का शिकार बने. वॉशिंगटन सुंदर (16 रन, 44 गेंदों में) भी ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और हार्मर ने उन्हें पवेलियन भेजा. नीतीश रेड्डी ने एक बार फिर निराश किया और वो 0 पर आउट हुए. रवींद्र जडेजा ने रेड्डी के आउट होने के बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन वो स्टम्प आउट हो गए; आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज मोहम्मद सिराज रहे.

फाइनल में पाकिस्तान नहीं बल्कि इस टीम को हराकर टी20 वर्ल्ड कप जीतना चाहेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। एक दौर था, जब भारतीय क्रिकेट और फैंस फाइनल में पाकिस्तान को मात देकर आईसीसी टूर्नामेंट जीतते देखना पसंद करते थे, लेकिन आज के दौर में हालात बदल गए हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अनुसार, वह ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतना पसंद करेंगे। मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। भारत और श्रीलंका में कुल 8 वेन्यू पर इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा, जिसका फाइनल 8 मार्च को खेला जाना है।

भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-ए में रखा गया है। दोनों टीमें 15 फरवरी को 'हाईवोल्टेज मैच' खेलेंगी। सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी की ओर से आयोजित आगामी टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, 'अगर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल है, तो मैं चाहूंगा कि भारत ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब जीते।' भारत और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट मैदान पर बढ़ती प्रतिद्वंदिता के बीच सूर्यकुमार यादव चाहते हैं कि भारत टी20 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़े। इसकी दूसरी वजह यह भी है कि टीम इंडिया कंगारुओं से वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला लेना चाहती है।

19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने 240 रन बनाए थे। इसके जवाब में ट्रेविस हेड (137) और मार्नस लाबुशेन (नाबाद 58) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने महज 43 ओवरों में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमों को 5-5 के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत को भारत को ग्रुप-ए में रखा गया है। इस ग्रुप में टीम इंडिया के साथ पाकिस्तान, यूएसए, नीदरलैंड्स और नामीबिया की टीमें शामिल हैं। वहीं, ग्रुप-बी में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान को रखा गया है। ग्रुप-सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली को शामिल किया गया है, जबकि ग्रुप-डी में न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई की टीमें शामिल हैं।

ऐसा पहली बार होगा जब मैं टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलूंगा, यह मेरे लिए अलग अनुभव है : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 पुरुष विश्व कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा को इस टूर्नामेंट का ब्रांड एंबेसडर चुना गया है। ऐसा पहली बार होगा जब रोहित शर्मा टी20 विश्व कप में नहीं खेलेंगे, यह उनके लिए एक अलग अनुभव होगा। रोहित शर्मा ने अब तक टी20 वर्ल्ड कप के सभी एडिशन में हिस्सा लिया है। वह साल 2007 की विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद साल 2024 में बतौर कप्तान खिताब जीता। रोहित ने कहा, 'इतने सारे देशों को टी20 वर्ल्ड कप में खेलते देखना खुशी की बात है। यह पहली बार होगा जब मैं टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलूंगा। यह मेरे लिए एक अलग अनुभव है, लेकिन मुझे घर में टीवी पर मैच देखने की आदत हो गई है।' इस मौके पर भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस इवेंट को चैलेंजिंग बताते हुए कहा कि उनके टीम के साथी घर पर खेलने के लिए उत्साहित हैं।

स्मृति मंधाना को धोखा दे रहे थे पलाश मुच्छल ?

● **मिस्ट्री गर्ल की पोस्ट से बड़ा ट्विस्ट आया सामने**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना और म्यूज़िक कंपोज़र पलाश मुच्छल का रिश्ता हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया है। जहां यह कपल कुछ समय पहले तक अपनी प्री-वेडिंग तस्वीरों के चलते सुर्खियों में था, वहीं अब वायरल हुए कथित स्क्रीनशॉट और लगातार बढ़ती अफवाहों ने कहानी को पूरी तरह पलट दिया है। इंटरनेट पर फैली जानकारी की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन इन चर्चाओं ने फैंस के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थिति क्या है–यह जानने के लिए सबकी निगाहें कपल पर टिकी हैं।

विवाद की वजह बनी वायरल हुई कथित चैट: पलाश मुच्छल और कोरियोग्राफर मैरी डी'कोस्टा की कथित निजी चैट ऑनलाइन फैलते ही मामला अचानक सुर्खियों में आ गया। पोस्ट की गई मैसेजिंग बातचीत में दावा किया जा रहा था कि पलाश किसी मुलाकात पर जोर दे रहे थे और अपने लॉन्ग-डिस्टेंस रिश्ते को लेकर असंतोष जता रहे थे। हालांकि, इन चैट्स की किसी भी विश्वसनीय स्रोत द्वारा पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर इन पोस्ट्स ने बड़ी तेजी से बवाल खड़ा कर दिया, जिससे फैंस के बीच कई तरह के कयास लगने लगे।

मैरी डी'कोस्टा ने दी सफाई, पर तनाव कम नहीं हुआ: विवाद बढ़ने के बाद मैरी ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी के जरिए स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि वे पलाश से कभी नहीं मिलीं, विवाद से उनका कोई लेना-देना नहीं, और कथित चैट की सत्यता पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। उनके बयान के बावजूद सोशल मीडिया पर बहस थमी नहीं। ऐसा लग रहा था कि अफवाहें इतनी फैल चुकी हैं कि बयान देने से भी शोर कम नहीं हुआ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी करेंगे पृथ्वी शॉ

नई दिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ एक ऐसा नाम जिसे कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में गिना जाता था और अब अपने करियर को फिर से जीवित करने के निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। बीते कुछ वर्षों में खराब फॉर्म, फिटनेस चुनौतियों और ऑफ-फील्ड विवादों ने उनकी प्रगति को गहरी चोट पहुंचाई। लेकिन 2025-26 घरेलू सीजन से पहले महाराष्ट्र में शिफ्ट होकर शॉ ने अपने लिए नई शुरुआत का रास्ता चुना है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी उनके लिए वह मंच बन सकती है, जहां वे दोबारा साबित कर सकते हैं कि उनका टैलेंट अब भी उतना ही खतरनाक है।

रोइंग:

पानी पर ताकत और तालमेल का खेल, जिसने ओलंपिक में बनाई खास पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब 8 हजार ईसा पूर्व लोग लकड़ी के लट्ठों को आपस में बांधकर उसे इस तरह तैयार करते थे कि उसमें खड़े होकर नदी को पार कर सकें। इससे न सिर्फ उन लोगों को नदी पार करने में मदद मिलती थी, बल्कि वे इसकी सहायता से मछलियों को भी पकड़ते थे। धीरे-धीरे लकड़ी के लट्ठों को काट-छांटकर उसे नाव का आकार दिया गया। उस दौरान किसी ने सोचा नहीं था कि एक दिन यही नाव ओलंपिक में पानी पर ताकत और तालमेल का खेल बनेगी। साल 1829 में ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी बोट रेस का आयोजन हुआ। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को आठ पतवारों वाली नाव के साथ एक मैच में हिस्सा लेने की चुनौती दी थी। इस पहली रेस में ऑक्सफोर्ड ने जीत हासिल की थी।

19वीं शताब्दी तक यूरोप में रोइंग ने लोकप्रियता हासिल कर ली। 1900 पेरिस ओलंपिक में इस खेल को पहली बार शामिल किया गया, और तब से लेकर आज तक प्रत्येक ओलंपिक में इस खेल ने अपनी छाप छोड़ी है। 1976 मॉन्ट्रियल ओलंपिक में पहली बार महिलाओं की स्पर्धा को शामिल किया गया और फिर 1996 अटलांटा ओलंपिक में लाइटवेट स्पर्धाओं की शुरुआत हुई। रोइंग रेस के दो प्रकार होते हैं- स्कलिंग और स्वीप ओअर। स्कलिंग में दो पतवारों का प्रयोग होता है, जबकि स्वीप में नाविक एक पतवार का उपयोग करता है। नाव चलाने वाले एथलीट व्यक्तिगत रूप से या फिर 2, 4 और 8 की टीमों में प्रतिस्पर्धा करते हैं। डबल स्कल्स एथलीट दोनों हाथों में एक-एक पतवार पकड़ते हैं, जबकि स्वीप रोइंग एथलीट दोनों हाथों से एक पतवार को पकड़ते हैं। 8 व्यक्तियों की टीम में एक मुख्य चालक होता है, जो अन्य सदस्यों को निर्देश देता है। उसे 'कॉक्सवेन' कहा जाता है।

उनके अलावा, अन्य सदस्य एक फुट पेडल के साथ पतवार को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक 10 से 12.4 मीटर की दूरी पर पानी की गहराई के साथ एक खास चीज को बांधकर रास्तों को चिन्हित किया जाता है। अगर किसी टीम या एथलीट से गलत शुरुआत हो जाए, तो उसे चेतावनी दी जाती है। अगर वह एथलीट या टीम गलती दोहराती है, तो उसे अयोग्य करार दिया जाता है। नाव का अगला भाग फिनिश लाइन कब पार करता है, यह जीत को तय करता है। भारतीय रोइंग ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह प्रगति की है, उसे देखते हुए ओलंपिक में भारत का भविष्य पहले से अधिक उज्ज्वल माना जा सकता है। भारतीय रोइंग में प्रतिभा का दायरा बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय रोअर्स तेजी से उभरकर सामने आए हैं।

विश्व कप से अर्जुन के बाहर होने से टूटा उनका कैंडिडैट का सपना

गोवा, एजेंसी। गत सप्ताह भारत के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और विश्व कप में भारत की आखिरी उम्मीद ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी क्वार्टर फ़ाइनल के टाईब्रेक मुकाबले में चीन के वे यी से हारकर बाहर हो गए थे और इस तरह विश्व कप में भारत की चुनौती समाप्त हो गई . क्लासिकल मुक़ाबले में जीत से चूकने के बाद आज अर्जुन का सामना पहले रैपिड में चीन के वे यी से हुआ पर एक दिन पहले मिले जीवनदान का फ़ायदा उठाते हुए उन्होंने सफेद मोहरो से अर्जुन की फ्रेंच ओपनिंग में बेहतरीन खेल दिखाते हुए कुछ नई चालों से अर्जुन को चौंका दिया हालांकि एक समय मुश्किल में लग रहे अर्जुन किसी तरह ड्रा करने में सफल रहे , दूसरी रैपिड बाजी में अर्जुन नें सफेद मोहरो से एक समय मजबूत स्थिति हासिल कर ली थी पर वह जीतने के प्रयास में कुछ ग़लतियाँ कर बैठे और वे यी नें जीत दर्ज करते हुए टाईब्रेक 1.5-0.5 से अपने नाम कर लिया । जीतने के बाद वे यी नें कहा की अर्जुन नें जीतने के लिए ज्यादा प्रयास किए वह खेल को ड्रा रखकर अगले टाईब्रेक में जा सकते थे । विश्व नंबर 4 अर्जुन इससे पहले वर्ष 2023 और 2024 में फीडे सर्किट के अंतिम क्षणो में ओर 2023 में विश्व कप क्वाटर फाइनल से हारकर कैंडिडैट से चुके है ओर यह चौथी बार है जब उन्हे कैंडिडैट में स्थान नहीं मिला है ।

वहीं अन्य दो टाईब्रेक मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर सिंदारोव जावोखिर नें मेक्सिको के ग्रैंडमास्टर जोस एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतारा को पराजित करते हुए सेमी फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया जहाँ उनका सामना अब हमवतन नोदिरबेक याकूबबोव से होगा । वहीं तीसरे मुक़ाबले में रूस के आंद्रे एसिपेंको नें यूएसए के सैम शंकलैंड को पराजित करते हुए सेमी फ़ाइनल में प्रवेश किया और अब उनका सामना चीन के वे यी से होना है ।

सेमी फ़ाइनल जीतने वाले दोनों खिलाड़ियों को सीधे कैंडिडैट में प्रवेश मिलेगा जबकि हारने वाले खिलाड़ियों को तीसरे स्थान के लिए मुकाबले जीतकर कैंडिडैट में पहुँचने का दूसरा और अंतिम मौका मिलेगा। इस हार के साथ ही अब अगले फ़ीडे कैंडिडैट में भारत की उम्मीद अब सिर्फ़ प्रज्ञानन्दा ही बाक़ी है जो फ़ीडे सर्किट पॉइंट के जरिए अभी भी कैंडिडैट पहुँच सकते है ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफीः

अर्जुन तेंदुलकर ने पहले 127 के स्ट्राइक रेट से ओपनिंग की, फिर 14 गेंद में लुटा दिए 29 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 का आगाज बुधवार 26 नवंबर से हो चुका है। पहले राउंड के ग्रुप बी के मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने गोवा को 6 विकेट से हराया। यूपी की जीत में हीरो रहे 93 रन की नाबाद पारी खेलने वाले आर्यन जुयाल। वहीं अर्जुन तेंदुलकर ने इस टी20 टूर्नामेंट के पहले मैच में गोवा के लिए पारी की शुरुआत की और 22 गेंद पर 127 के स्ट्राइक रेट से 28 रन बनाए। इस मैच में पहले खेलने उतरी गोवा के लिए इशान गाडेकर और बाएं हाथ के बल्लेबाज अर्जुन तेंदुलकर ने बल्लेबाजी की शुरुआत की। इशान 10 गेंद पर 16 रन बनाकर आउट हुए। वहीं अर्जुन ने 22 गेंद पर 28 रन बनाए जिसमें चार चौके शामिल थे। शिवम मावी ने अर्जुन तेंदुलकर को पवेलियन भेजा। इसके बाद गोवा ने अभिनव तेजराना के 72 रनों की मदद से 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन बनाए। 173 रनों का बचाव करने उतरी गोवा के गेंदबाजों को यूपी के ओपनर आर्यन जुयाल ने सेटल नहीं होने दिया। अर्जुन तेंदुलकर ने भी गेंदबाजी में निराश किया। उन्होंने 2.2 ओवर यानी 14 गेंद में 29 रन लुटाए और उनकी इकॉनमी 12 से भी ज्यादा की रही।

रोनाल्डो पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध हटा

विश्व कप में खेलते दिखेंगे, ट्रंप से मीटिंग के बाद फीफा का यू-टर्न?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोबेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा। क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा की ओर से बड़ी राहत मिली है।

आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में एल्बो मारने के चलते मिले रेड कार्ड के बाद माना जा रहा था कि वे आगामी वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं। हालांकि, फीफा ने उन्हें तीन मैच के प्रतिबंध की सजा सुनाई है, लेकिन उसमें से दो मैचों पर एक साल की प्रोबेशन लागू की गई है। यानी रोनाल्डो ने पहले ही एक मैच का अनिवार्य बैन काट लिया है, और अब वे वर्ल्ड कप में खेलने के लिए पात्र हैं, लेकिन चेतावनी के साथ।

क्या था मामला?

डबलिन में खेले गए मुकाबले में रोनाल्डो ने आयरलैंड के डिफेंडर डारा ओ'शेया को कोहनी मारी थी। फीफा ने इसे हिंसक आचरण माना और सजा निर्धारित की। हालांकि, फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोबेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा।

फीफा विश्व कप 2026: ड्रॉ में स्पेन-अर्जेंटीना और फ्रांस-इंग्लैंड को फायदा!

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा के मुताबिक, इस नए सिस्टम का उद्देश्य है लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को रैंकिंग के आधार पर फायदा देना। साथ ही बड़े मुकाबलों को अंतिम चरण तक सुरक्षित रखना। फीफा ने अगले साल होने वाले 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप के ड्रॉ को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है। फीफा विश्व कप 2026 के लिए ड्रॉ अगले सप्ताह जारी होना है। इस ड्रॉ में पहली बार टेनिस-स्टाइल नॉकआउट ब्रैकेट सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसके तहत दुनिया की शीर्ष चार टीमें स्पेन, अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड को अलग-अलग हिस्सों में रखा जाएगा। इसका मतलब है कि अगर ये चारों टीमें अपने ग्रुप

में पहला स्थान हासिल करती हैं, तो वे सेमीफाइनल से पहले एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेलेंगी। फीफा के मुताबिक, इस नए सिस्टम का उद्देश्य है लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को रैंकिंग के आधार पर फायदा देना। साथ ही बड़े मुकाबलों को अंतिम चरण तक सुरक्षित रखना। इसे टूर्नामेंट को प्रतिस्पर्धात्मक और संतुलित बनाने में मदद मिलेगी। फीफा ने बयान में कहा, 'दो अलग-अलग रास्ते तैयार किए गए हैं ताकि शीर्ष टीमों के बीच संतुलन बना रहे और योग्य प्रदर्शन को सम्मान मिले।'

ग्रुप स्टेज से लेकर नॉकआउट तक नई संरचनाः इस बार वर्ल्ड कप 48 टीमों वाला होगा, जो इतिहास में पहली बार है। कुल 12 ग्रुप होंगे, हर ग्रुप में चार टीमें रहेंगी। ड्रॉ इस तरह डिज़ाइन किया जाएगा कि एक ही महाद्वीप की दो गैर-यूरोपीय टीमें एक ग्रुप में नहीं हो सकतीं। साथ ही यूरोपीय टीमों की संख्या प्रत्येक ग्रुप में अधिकतम दो तक सीमित रहेगी।

ड्रॉ पांच दिसंबर को वॉशिंगटन डी.सी. के कैनेडी सेंटर में होगा, जिसमें विशेष अतिथि के रूप में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मौजूद रहेंगे। यह पहला मौका है जब किसी वर्ल्ड कप ड्रॉ में राजनीतिक और खेल के इतने बड़े चेहरे एक साथ मंच साझा करेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला:

-क्रिकेट बेटिंग से कमाई हर मुनाफा अपराध, ED की कार्रवाई वैध

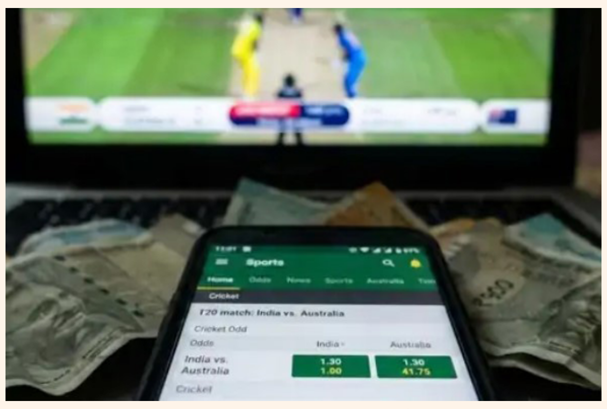

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बेटिंग रैकेट से जुड़े एक अहम मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि क्रिकेट बेटिंग से अर्जित किया गया कोई भी मुनाफा वैध नहीं माना जा सकता, भले ही प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) में सीधे तौर पर 'बेटिंग' को अनुसूचित अपराध के रूप में दर्ज न किया गया हो। कोर्ट ने इसे "जहरीले पेड़ का फल" बताते हुए कहा कि जब आधार ही अपराध पर टिका हो, तो उससे निकली आय को कैसे कानूनी ठहराया जा सकता है। यह टिप्पणी करते हुए हाईकोर्ट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बेटिंग नेटवर्क से जुड़े छह लोगों की याचिकाएं खारिज कर दीं। इन याचिकाकर्ताओं में मुकेश कुमार, उमेश चौटालिया, नरेश बंसल, घनश्याम भाई पटेल सहित अन्य शामिल थे। याचिकाकर्ताओं ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा की गई अस्थायी संपत्ति अटैचमेंट और जारी किए गए नोटिस को रद्द करने की मांग की थी। उनका तर्क था कि क्रिकेट बेटिंग PMLA के तहत अपराध नहीं है, इसलिए इससे अर्जित संपत्ति को 'अपराध से अर्जित आय' नहीं कहा जा सकता। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि ईडी की कार्रवाई ठोस और विश्वसनीय सबूतों पर आधारित थी। जांच में यह सामने आया कि पूरा बेटिंग रैकेट धोखाधड़ी, जालसाजी और संगठित अवैध नेटवर्क के आधार पर संचालित हो रहा था। ऐसे में इससे कमाई गई रकम को वैध नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि मनी लॉन्ड्रिंग केवल तभी नहीं मानी जाती, जब कोई खास अपराध PMLA में सूचीबद्ध हो, बल्कि यह देखा जाता है कि आय का स्रोत किस तरह के अवैध कृत्य से जुड़ा है। यदि पूरा नेटवर्क ही कानून विरोधी गतिविधियों पर टिका हो, तो उससे प्राप्त धन स्वतः ही अपराध की श्रेणी में आ जाता है। इसके अलावा, हाईकोर्ट ने PMLA की एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी को लेकर भी अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि अथॉरिटी के सामने हमेशा तीन सदस्यों की पूर्ण पीठ ही हो। यदि अथॉरिटी में केवल एक सदस्य उपस्थित है, तो वह भी नोटिस जारी करने, सुनवाई करने और आदेश पारित करने के लिए पूरी तरह सक्षम है। इस आधार पर याचिकाकर्ताओं की यह आपत्ति भी खारिज कर दी गई कि एकल सदस्य द्वारा पारित आदेश अवैध है। अदालत ने यह भी साफ किया कि नोटिस जारी करने के लिए संपत्ति का पहले से अटैच होना जरूरी नहीं है। नोटिस भेजना सुनवाई प्रक्रिया की शुरुआत है, जबकि संपत्ति अटैच करना एक अलग और स्वतंत्र कदम है। यानी नोटिस अटैचमेंट से पहले भी जारी हो सकता है और संपत्ति अटैचमेंट बाद में भी की जा सकती है। कुल मिलाकर, दिल्ली हाईकोर्ट के इस फैसले ने ऑनलाइन और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बेटिंग नेटवर्क पर कड़ा संदेश दिया है। अदालत ने साफ कर दिया है कि कानून की आड़ लेकर अवैध गतिविधियों से कमाई गई रकम को सुरक्षित नहीं किया जा सकता, और ऐसे मामलों में ईडी की सख्त कार्रवाई पूरी तरह वैध मानी जाएगी।

12 सेकेंड के वीडियो से VIT में बवाल: प्रोफेसर की मारपीट से भड़का छात्र आक्रोश

-छात्रों की शिकायत पर बिफरे असिस्टेंट प्रोफेसर, वायरल वीडियो के बाद 4 हजार स्टूडेंट हॉस्टल से बाहर आए

नई दिल्ली। सीहोर स्थित वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VIT) का कैंपस 25 नवंबर 2025 की रात अचानक हिंसा, हंगामे और अराजकता का गवाह बन गया। महज 12 सेकेंड का एक वीडियो ऐसा चिंगारी साबित हुआ, जिसने पूरे कैंपस को आग में झोंक दिया। वीडियो में साफ दिख रहा था कि एक असिस्टेंट प्रोफेसर छात्रों को बालों से पकड़कर खींच रहे हैं और उनके साथ मारपीट कर रहे हैं। जैसे ही यह वीडियो छात्रों के मोबाइल फोन में वायरल हुआ, करीब 4 हजार छात्र हॉस्टल से बाहर निकल आए और देखते ही देखते कैंपस में भारी बवाल खड़ा हो गया। हालात बिगड़ते देख विश्वविद्यालय प्रबंधन ने तत्काल 8 दिसंबर तक छुट्टियां घोषित कर दीं। फिलहाल कैंपस में शांति है, लेकिन सीहोर और आष्टा थानों का पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इस पूरे मामले में असिस्टेंट प्रोफेसर प्रशांत कुमार पांडे के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है, हालांकि खबर लिखे जाने तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई थी।

तूफान से पहले की शांति-

25 नवंबर की रात करीब 10 बजे का वक्त था। दिनभर की पढ़ाई और गतिविधियों के बाद कैंपस में सामान्य सन्नाटा पसर रहा था। छात्र मेस से भोजन कर अपने-अपने हॉस्टल लौट चुके थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि यही रात VIT के इतिहास की सबसे अशांत रातों में शामिल हो जाएगी। इस घटनाक्रम का केंद्र बना हॉस्टल ब्लॉक नंबर 8। यहां कुछ जूनियर छात्र मेस के खराब खाने और गंदे पानी को लेकर परेशान थे। कई दिनों से शिकायत के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला था। आखिरकार कुछ छात्र अपनी समस्या लेकर असिस्टेंट प्रोफेसर प्रशांत कुमार पांडे के पास पहुंचे। उनका मानना था कि शिक्षक होने के नाते वे उनकी

समस्या को गंभीरता से लेंगे और उचित समाधान निकालेंगे।

शिकायत से शुरू हुई बात, मारपीट तक पहुंची-

छात्रों का आरोप है कि प्रोफेसर पांडे ने शिकायत सुनते ही अपना आपा खो दिया। बातचीत के बजाय उन्होंने छात्रों के साथ बदसलूकी शुरू कर दी। आरोप है कि छात्रों को थप्पड़ मारे गए, बाल पकड़कर घसीटा गया और उन्हें सबके सामने जलील किया गया। यह सब इतना अचानक हुआ कि छात्र संभल भी नहीं पाए। यहां प्रोफेसर पांडे शायद यह भूल गए कि आज के दौर में हर छात्र के हाथ में मोबाइल कैमरा है। किसी छात्र ने पूरी घटना का 12 सेकेंड का वीडियो बना लिया। यही वीडियो बाद में पूरे प्रकरण की वजह बन गया।

12 सेकेंड का वीडियो और 4 हजार छात्रों का गुस्सा-

घटना के लगभग एक घंटे के भीतर यह वीडियो व्हाट्सऐप ग्रुप्स, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल गया। वीडियो देखकर छात्रों में जबरदस्त आक्रोश फैल गया। छात्रों का कहना था कि जब एक शिक्षक ही इस तरह हिंसक व्यवहार करेगा, तो छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर कैसे निश्चित रहें।

रात होते-होते करीब 4 हजार छात्र अपने-अपने हॉस्टल से बाहर निकल आए। नारेबाजी शुरू हुई, फिर गुस्सा तोड़फोड़ और आगजनी में बदल गया। कुछ जगहों पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा।

प्रबंधन की कार्रवाई और सवाल-

हालात बेकाबू होते देख विश्वविद्यालय प्रशासन ने कैंपस खाली कराने का फैसला लिया और 8 दिसंबर तक छुट्टियां घोषित कर दीं। छात्र अपना सामान समेटकर हॉस्टल खाली करते नजर आए। पुलिस ने छात्रों को समझाकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने असिस्टेंट प्रोफेसर प्रशांत कुमार पांडे के खिलाफ मारपीट और अभद्र व्यवहार की धाराओं में मामला दर्ज किया है। हालांकि, उनकी गिरफ्तारी न होने को लेकर छात्रों और उनके अभिभावकों में नाराजगी है। छात्रों का कहना है कि अगर वीडियो सामने न आता, तो शायद यह मामला दबा दिया जाता।

घटना से उठते बड़े सवाल-

इस पूरी घटना ने शिक्षा संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा और शिक्षकों के आचरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्र कहते हैं कि वे पढ़ने आते हैं, डरने या अपमानित होने नहीं। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि शिकायत निवारण प्रणाली मजबूत न होने और संवाद की कमी ऐसी घटनाओं को जन्म देती है। फिलहाल VIT कैंपस में शांति है, लेकिन यह 12 सेकेंड का वीडियो लंबे समय तक इस घटना की याद दिलाता रहेगा। सवाल यही है कि क्या इस मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी, या यह भी एक और वायरल वीडियो बनकर समय के साथ भुला दिया जाएगा।

कड़ाके की सर्दी का कहर: MP-हरियाणा में पारा 10 डिग्री से नीचे

-राजस्थान में बारिश का अलर्ट, बिहार में कोहरे से यातायात ठप

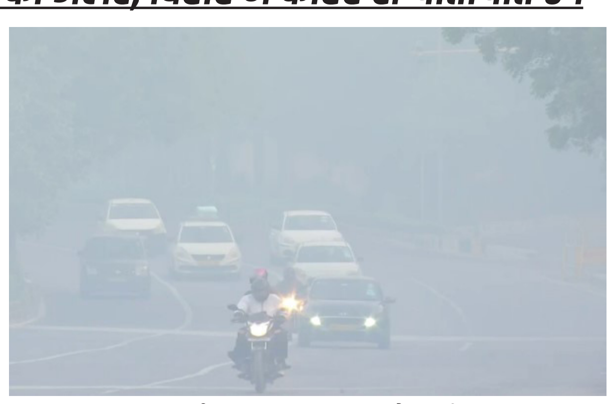

देहरादून। उत्तर भारत में सर्दी ने एक बार फिर अपना तीखा तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। पहाड़ी राज्यों में तापमान लगातार शून्य से नीचे बना हुआ है, जिसका सीधा असर अब मैदानी इलाकों में भी साफ नजर आने लगा है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं के चलते मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और बिहार जैसे राज्यों में ठिठुरन बढ़ गई है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। हरियाणा की बात करें तो राज्य के 17 शहरों में बुधवार को तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। नारनौल में प्रदेश का सबसे कम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा हिसार, सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ जैसे जिलों में भी कड़ाके की सर्दी महसूस की गई। सुबह और रात के समय ठंडी हवाओं के कारण लोग घरों में ही सिमटने को मजबूर हैं। मध्य प्रदेश में भी सर्दी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। नौगांव, मुरैना, रीवा, दतिया, चित्रकूट, खजुराहो और सीधी सहित कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया। रीवा और रायसेन में हाल के दिनों में भीषण सर्दी के कारण दो लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई है। राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के कई इलाकों में पिछले दो दिनों से घनी धुंध और बादल छाए हुए हैं, जिससे दृश्यता कम हो गई है और सड़क व रेल यातायात पर भी असर पड़ा है। राजस्थान में सर्दी के साथ-साथ बारिश की संभावना भी जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार उदयपुर, भीलवाड़ा और अजमेर समेत राज्य के सात जिलों में गुरुवार को बारिश हो सकती है। बुधवार को प्रदेश के 11 शहरों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। फतेहपुर में सबसे कम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसने ठंड का नया रिकॉर्ड बना दिया। ग्रामीण इलाकों में लोग अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं। बिहार में कड़ाके की ठंड के साथ घना कोहरा लोगों की मुश्किलें और बढ़ा रहा है। राज्य के आठ जिलों में बुधवार को तापमान 9 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। बक्सर में सबसे कम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। घने कोहरे का सीधा असर परिवहन व्यवस्था पर पड़ा है। पटना एयरपोर्ट पर कोहरे की वजह से 14 उड़ानें तय समय पर नहीं उड़ सकीं, जबकि 52 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। इनमें से 20 ट्रेनें पटना से खुलने या वहां से गुजरने वाली थीं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है।

हॉन्गकॉन्ग में ताई पो रिहायशी कॉम्प्लेक्स में भीषण आग:

-44 मौतें, 279 घायल

हॉन्ग कॉन्ग (एजेंसी)। हॉन्गकॉन्ग के ताई पो जिले में बुधवार को एक बड़े रिहायशी कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई। यह हादसा इतना गंभीर था कि अब तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है और 279 लोग घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कोशिश की, लेकिन तेज़ हवाओं और आग की फैलती लपटों के कारण बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। हादसे का स्थल वांग फुक कोर्ट का रिहायशी कॉम्प्लेक्स था, जिसमें कुल आठ इमारतें हैं। प्रत्येक इमारत में 35 मंजिलें हैं और पूरे कॉम्प्लेक्स में लगभग दो हजार अपार्टमेंट स्थित हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, आग की शुरुआत इमारतों के बाहरी हिस्सों पर लगी बांस के मचान से हुई, जो मरम्मत और नवीनीकरण के काम के लिए लगाए गए थे। मौके पर मौजूद आपातकालीन टीमों ने बताया कि तेज़ हवाओं और जलते हुए मलबे के कारण आग एक इमारत से दूसरी इमारत तक तेजी से फैल गई। मचान और जलते हुए उपकरण आग की गति को और बढ़ा रहे थे। 20 घंटे बीतने के बावजूद दमकल विभाग आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पा सका है। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित निवासियों के लिए राहत शिविर लगाए हैं, जहां उन्हें अस्थायी ठहराव और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। घायल लोगों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, और गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए विशेष उपचार चल रहा है। इस आग ने न केवल लोगों के घर तबाह कर दिए, बल्कि स्थानीय सुरक्षा मानकों और भवनों में आग लगने की रोकथाम पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बांस के मचान और बाहरी मरम्मत कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी इस भयावह हादसे की मुख्य वजह हो सकती है। हॉन्गकॉन्ग प्रशासन ने दावा किया है।

कोहरे-धुंध में उड़ान से पहले विमान को 5 स्तर की जांच

-विजिबिलिटी घटते ही नियम होंगे सख्त

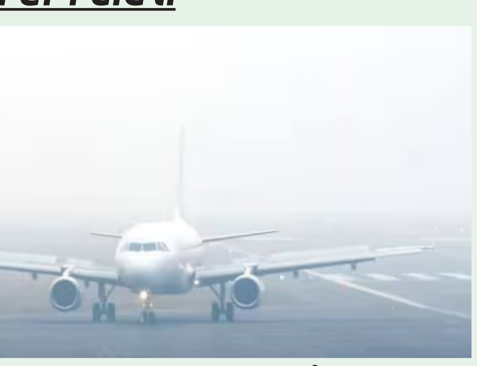

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने कोहरे और धुंध के मौसम में हवाई यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए उड़ान नियमों में बड़ा बदलाव किया है। हर साल सर्दियों में देश के कई हिस्सों, खासकर उत्तर भारत में घना कोहरा छा जाता है, जिससे उड़ानें की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित होती है। कई बार कम दृश्यता के कारण दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाता है। इन्हीं चिंताओं को देखते हुए DGCA ने टेक-ऑफ और लैंडिंग से पहले पांच चरणों वाली नई जांच व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था के तहत अब कोहरे और धुंध में उड़ान संचालन को तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। कैटेगरी-I में वह स्थिति शामिल है, जब दृश्यता लगभग 550 मीटर तक होती है और हालात सामान्य माने जाते हैं। कैटेगरी-II में दृश्यता घटकर 300 मीटर रह जाती है, जहां अतिरिक्त सावधानियों की जरूरत होती है। जबकि कैटेगरी-III सबसे जोखिम भरी मानी जाती है, जिसमें दृश्यता 100 मीटर या उससे भी कम हो जाती है। DGCA ने साफ किया है कि जैसे-जैसे दृश्यता कम होती जाएगी, वैसे-वैसे नियम और मानक भी सख्त होते जाएंगे। सबसे अहम बदलाव यह है कि अब उड़ान को मंजूरी देने से पहले पांच चरणों में जांच की जाएगी। इस प्रक्रिया में DGCA यह सुनिश्चित करेगा कि विमान का ऑटो-पायलट सिस्टम, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (ILS), विभिन्न सेंसर, और अन्य जरूरी तकनीकी उपकरण पूरी तरह सही और भरोसेमंद हालत में हों। इसके साथ ही पायलट की ट्रेनिंग, अनुभव और कम दृश्यता में उड़ान संचालन की क्षमता की भी जांच की जाएगी। जब तक सभी पहलुओं पर संतोष नहीं हो जाता, तब तक उड़ान को अनुमति नहीं दी जाएगी। अब तक लागू 2023 के सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट (CAR) के अनुसार, एयरलाइन कंपनियों को केवल एक बार परमिशन लेनी होती थी, जो पूरे बेड़े के विमानों पर लागू हो जाती थी। लेकिन नई व्यवस्था में यह नियम बदल गया है। अब हर विमान और हर पायलट को अलग-अलग स्तर पर जांच और मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरना होगा। इसका मतलब यह है कि किसी एक विमान या पायलट की मंजूरी दूसरे पर स्वतः लागू नहीं होगी। DGCA का कहना है कि यह बदलाव यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए बेहद जरूरी था। हर साल घने कोहरे के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द या विलंबित होती हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ती है और एयरलाइंस को भी भारी नुकसान होता है। नई प्रणाली का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोहरे में उड़ान की अनुमति केवल उन्हीं एयरलाइंस और पायलटों को मिले, जो तकनीकी और पेशेवर रूप से पूरी तरह तैयार हों।

SIR अभियान में बीएलओ पर बढ़ता बोझ:

-22 दिनों में 7 राज्यों में 25 मौतों से देश में चिंता और सियासत तेज

नई दिल्ली। देशभर में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) अभियान के दौरान बीते 22 दिनों में 7 राज्यों में 25 बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। ये वही बीएलओ हैं, जो लोकतंत्र की बुनियाद माने जाने वाले मतदाता सूची के सत्यापन के लिए घर-घर दस्तक दे रहे हैं। देश के 12 राज्यों में इस अभियान के तहत 51 करोड़ से अधिक मतदाताओं तक पहुंचने की जिम्मेदारी 5.32 लाख से ज्यादा बीएलओ पर है। ऐसे में काम का बढ़ता दबाव और लगातार हो रही मौतें कई सवाल खड़े कर रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा 9 मौतें मध्य प्रदेश में हुई हैं। उत्तर प्रदेश और गुजरात में 4-4 बीएलओ की जान जाने की खबर है। बाकी मौतें अन्य चार राज्यों से सामने आई हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि यह सब काम के अत्यधिक दबाव, अव्यवस्थित सिस्टम और अवास्तविक डेडलाइन का नतीजा है, जबकि निर्वाचन आयोग इन मौतों को सीधे तौर पर काम से जोड़ने से फिलहाल इनकार कर रहा है। इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने दावा किया है कि अकेले पश्चिम बंगाल में SIR के चलते 34 लोगों की मौत हुई है। राज्य के मंत्री अरूप बिस्वास ने आरोप लगाया कि यह अभियान कर्मचारियों पर असहनीय दबाव डाल रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो इसे 'पीछे के दरवाजे से एनआरसी लागू करने की कोशिश' बताया और कहा कि इससे आम लोगों और कर्मचारियों में डर का माहौल बनाया जा रहा है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पलटवार करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस के दबाव में पश्चिम बंगाल में फर्जी और संदिग्ध नाम मतदाता सूची में जोड़े जा रहे हैं। उनके मुताबिक, SIR अभियान का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध करना है और इसका राजनीतिक रंग देना गलत है। निर्वाचन आयोग इस पूरे मामले में सतर्क तो है, लेकिन अभी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि जिलों और राज्यों से विस्तृत रिपोर्ट मंगाई गई है। अब तक किसी भी मौत की आधिकारिक तौर पर पुष्टि काम के दबाव के कारण होने के रूप में नहीं की गई है। आयोग का तर्क है कि सभी तथ्यों की जांच के बाद ही कोई बयान दिया जा सकता है। हालांकि, चुनावी प्रक्रिया से जुड़े अनुभवी लोग मानते हैं कि जमीनी स्तर पर बीएलओ को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत ने कहा कि अगर आयोग समय रहते ध्यान दे, तो काम को काफी हद तक आसान बनाया जा सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश में बीएलओ को एप में बार-बार कैप्चा भरने की समस्या हो रही थी, जिससे काम धीमा और थकाऊ हो रहा था। बाद में कैप्चा हटाने पर प्रक्रिया कुछ आसान हो गई। रावत ने यह भी कहा कि कम पढ़ी संख्या में फॉर्म एक साथ अपलोड करने से सर्वर अक्सर डाउन हो जाता है। कई जगहों पर बीएलओ को रात में फॉर्म अपलोड करने का रास्ता निकालना पड़ा। इसके अलावा, जिन बीएलओ की ड्यूटी शिक्षकों के पास है, उन पर दिसंबर में स्कूलों का सिलेबस पूरा कराने का अलग दबाव है।

जर्मनी का अलर्ट: रूस यूक्रेन युद्ध खत्म करने को तैयार नहीं

- 2029 तक NATO पर हमला संभव

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी ने स्पष्ट किया है कि रूस यूक्रेन जंग को खत्म करने के लिए किसी भी तरह के समझौते के लिए तैयार नहीं है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने बुधवार को संसद में कहा कि रूस ने यूक्रेन के लिए तैयार की गई नई शांति योजना पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों में शांति की कोई झलक नहीं दिखती। यही वजह है कि जर्मनी अब अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करेगा और यूक्रेन को सैन्य मदद भी बढ़ाएगा। बोरिस पिस्टोरियस ने कहा कि जर्मनी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयार है और रूस की आक्रामक गतिविधियों के मद्देनजर कदम उठा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि जर्मनी NATO सहयोगियों के साथ मिलकर यूरोप की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इससे पहले जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने रूस को लेकर गंभीर चेतावनी दी थी। उन्होंने मंगलवार को बर्लिन फॉरेन पॉलिसी फोरम में कहा कि जर्मन खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार रूस 2029 तक किसी NATO देश पर हमला कर सकता है। वेडफुल ने बताया कि रूस की महत्वाकांक्षा केवल यूक्रेन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कुछ वर्षों में अपनी सैन्य ताकत और हथियार उत्पादन को बढ़ाया है।

सोशल मीडिया में इमरान खान की मौत की अफवाहें

- बहनों ने मुलाकात से रोके जाने का आरोप लगाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर हाल ही में सोशल मीडिया पर उनकी मौत की अफवाहें फैल गई हैं। हालांकि, इन अफवाहों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जेल प्रशासन ने न तो इस संबंध में कोई बयान दिया है और न ही पाकिस्तान सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। इस बीच, इमरान खान की बहनों ने जेल में उनसे मिलने की लगातार कोशिशों के बावजूद मुलाकात नहीं मिलने का आरोप लगाया है। बहनें अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डॉ. उज्मा खान मंगलवार रात जेल के बाहर धरने पर बैठ गईं। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से वे लगातार इमरान से मिलने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन हर बार सुरक्षा कारणों का हवाला देकर उन्हें मिलने से रोका गया। धरने के दौरान उन्होंने पंजाब पुलिस पर भी आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण विरोध के बावजूद उन पर और अन्य महिलाओं पर लाठीचार्ज किया गया। 71 साल की नोरीन खान ने दावा किया कि उन्हें उनके बालों से पकड़कर सड़क पर घसीटा गया। इस दौरान अन्य महिलाएं भी पुलिस की मारपीट का शिकार हुईं। धरने और पुलिस कार्रवाई के बीच सोशल मीडिया पर इमरान खान के समर्थकों ने उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। कई पोस्टों में दावा किया गया कि उन्हें किसी दूसरी जगह ले जाया गया है, लेकिन इस बारे में किसी भी आधिकारिक स्रोत से कोई पुष्टि नहीं आई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मो. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,